श्रमसाधना

हम बनेंगे आपकी आवाज
स्कैन करें और चैनल से जुड़ें

shramsadhnagwl@gmai.com — श्रम की शक्ति, राष्ट्र की प्रगति — www.shramsadhnanews.com

दैनिक सांध्यकालीन
RNI रजि. क्र. 50069/89

वर्ष : 38, अंक : 51 ग्वालियर, सोमवार 21 सितंबर 2026
विक्रम संवत 2083 पृष्ठ 12, मूल्य 1 रुपया

डाक पंजीयन
L-2-13/समा.पत्र/पं. 40020181/22-23

आईटी पार्क और इंजीनियरिंग परिसरों में पढ़ाई के साथ रोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराने की तैयारी

पढ़ाई के साथ युवाओं को रोजगार के अवसर दे रही सरकार : मुख्यमंत्री

भोपाल जीएनएस।
मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में युवाओं को सहजता से रोजगार उपलब्ध कराने के लिए सरकार कई नवाचारी कदम उठा रही है। इंदौर-उज्जैन सहित प्रदेश के सभी आईटी पार्क और इंजीनियरिंग परिसरों में युवाओं को पढ़ाई के साथ रोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार इंदौर-भोपाल महानगरीय क्षेत्र विकसित कर रही है। इससे प्रदेश के समग्र विकास के साथ नई तकनीक और नवाचार को बढ़ावा मिलेगा तथा युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार रोजगार उपलब्ध कराने वाली औद्योगिक इकाइयों की स्थापना, उत्पादन और सेवा क्षेत्र सहित विभिन्न क्षेत्रों में तेजी से काम कर रही है।

उन्होंने कहा कि सिंहस्थ-2028 की तैयारियां भी तेजी से चल रही हैं। सिंहस्थ के लिए आवश्यक सभी विकास कार्यों को शीघ्र पूरा कराया जा रहा है।

मार्ग चौड़ीकरण में स्वैच्छिक सहयोग सराहनीय : मुख्यमंत्री ने कहा कि उज्जैन शहर

के मध्य बाबा महाकाल के मुख्य मार्ग का बड़े स्तर पर चौड़ीकरण किया जा रहा है। यह उज्जैन के विकास, विस्तार और सौंदर्यीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। सिंहस्थ के दौरान देश-विदेश से बड़ी संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं को भी इससे सुविधा मिलेगी।

उन्होंने कहा कि बाबा महाकाल मुख्य मार्ग के चौड़ीकरण और सौंदर्यीकरण में स्थानीय लोग स्वेच्छा से जिला प्रशासन का सहयोग कर रहे हैं। ऐसे सभी सहयोगी प्रशंसा और हार्दिक अभिनंदन के पात्र हैं।

मुख्यमंत्री रविवार को आईटी पार्क और उज्जैन शहर में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों के अवलोकन के बाद मीडिया प्रतिनिधियों से चर्चा कर रहे थे। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि और जिलाधिकारी उपस्थित रहे।

जापान में खिलाड़ियों ने लहराया भारत का तिरंगा

भोपाल जीएनएस। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भारतीय खिलाड़ी अपनी शानदार उपलब्धियों से जापान में देश का तिरंगा लहरा रहे हैं। उन्होंने एशियन गेम्स-2026 में पुरुष 10 मीटर एयर राइफल टीम स्पर्धा में रजत पदक जीतने वाले रुद्रांक्ष बालासाहेब पाटिल, पार्थ राकेश माने और हिमांशु ढिल्लों को शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि खिलाड़ियों की यह उपलब्धि देश के करोड़ों खेल प्रेमियों के लिए गर्व और प्रेरणा का अवसर है। उन्होंने पदक विजेता खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि उनकी सफलता देश के युवाओं को खेलों में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगी।

निर्णय के लिए जताया आभार, कहा- सरकार की पहल से हजारों

स्टाइपेंड वृद्धि पर इंटर्न डॉक्टरों ने उप मुख्यमंत्री से की मुलाकात

भोपाल जीएनएस
मध्यप्रदेश में इंटर्न डॉक्टरों के स्टाइपेंड में वृद्धि किए जाने के निर्णय पर इंटर्न डॉक्टरों के प्रतिनिधिमंडल ने उप मुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री राजेंद्र शुक्ल से मुलाकात कर आभार व्यक्त किया। प्रतिनिधि डॉ. साकेत रायपुरिया और करण पटेल अपने डीन एवं अधीक्षक के साथ उप मुख्यमंत्री के रीवा स्थित निवास पहुंचे और उन्हें धन्यवाद दिया।

इंटर्न डॉक्टरों ने कहा कि स्टाइपेंड वृद्धि की मांग को गंभीरता से लेते हुए सरकार ने सकारात्मक पहल की है। इससे प्रदेश के हजारों इंटर्न डॉक्टरों को आर्थिक राहत मिलेगी। उन्होंने इस महत्वपूर्ण निर्णय के लिए उप मुख्यमंत्री के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की।

प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि चिकित्सा विद्यार्थियों और युवा चिकित्सकों की समस्याओं को समझते हुए सरकार द्वारा लिया गया यह निर्णय उनका मनोबल बढ़ाने वाला है। इंटर्न डॉक्टरों ने कहा कि प्रशिक्षण अवधि में मिलने वाला स्टाइपेंड उनके लिए महत्वपूर्ण होता है। इसमें वृद्धि से उन्हें अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद मिलेगी।

उन्होंने चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े विषयों पर सरकार के साथ सकारात्मक संवाद जारी रहने की उम्मीद जताई। साथ ही भविष्य में भी चिकित्सा विद्यार्थियों एवं युवा चिकित्सकों से जुड़े मुद्दों पर सरकार द्वारा इसी प्रकार सहयोग किए जाने की अपेक्षा व्यक्त की।

नारी शक्ति सम्मान समारोह आज

ग्वालियर जीएनएस
माँ भगवती देवी शर्मा की जन्म शताब्दी के अवसर पर गायत्री चेतना केंद्र, पिंटो पार्क में रविवार को सुबह 9.45 बजे ÷माँ भगवती देवी शर्मा जन्म शताब्दी समारोह एवं उद्यमान व प्रेरणादायी नारी शक्ति सम्मान-2026÷ आयोजित होगा। समारोह में समाज सेवा, उद्यमिता, प्रतिभा और विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली ग्वालियर की महिलाओं का सम्मान किया जाएगा।

आयोजकों ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य महिला सशक्तिकरण, आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना है। माँ भगवती देवी शर्मा के नारी जागरण और सामाजिक उत्थान के विचारों से प्रेरणा लेते हुए ÷संस्कारित नारी-समृद्ध राष्ट्र÷ का संदेश दिया जाएगा। गायत्री परिवार ने मातृशक्ति, युवाओं और सामाजिक बंधुओं से कार्यक्रम में सहभागिता का आग्रह किया है।

रिछैरा में भाजपा नेताओं ने किया गणेश पूजन

ग्वालियर जीएनएस
ग्राम रिछैरा में भाजपा प्रदेश मंत्री लोकेन्द्र पाराशर द्वारा आयोजित 'सबके गणेश' कार्यक्रम में भाजपा नेताओं ने भगवान गणेश की आरती में शामिल होकर विधिवत पूजन-अर्चन किया और उनका आशीर्वाद लिया।

कार्यक्रम में भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष लाल सिंह आर्य, पूर्व गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा, पूर्व जिलाध्यक्ष अभय चौधरी, जिला महामंत्री जवाहर प्रजापति, सिंधी साहित्य अकादमी के निदेशक राजेश बाधबानी सहित पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

इस अवसर पर प्रदीप मुदगल, नरेश बत्रा, मनोज शास्त्री, विमल जैन सहित अन्य भाजपा नेता और कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं ने भगवान गणेश की आरती कर सुख-समृद्धि एवं क्षेत्र की खुशहाली की कामना की।

दीप यज्ञ के माध्यम से वंदना माताजी का जन्मदिवस मनाया, बाल आचार्यों ने कराया यज्ञ; डिजिटल युग में पुस्तकों की प्रासंगिकता पर हुई चर्चा

विराट पुस्तक मेले का आज अंतिम दिन

ग्वालियर जीएनएस
विराट पुस्तक मेले में रविवार को वंदना माताजी का जन्मदिवस दीप यज्ञ के माध्यम से मनाया गया। बाल आचार्यों ने विधिविधान से दीप यज्ञ संपन्न कराया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में गायत्री परिजन, पुस्तक प्रेमी और श्रद्धालु उपस्थित रहे।

दीप यज्ञ का संचालन बाल आचार्य कुमारी आरोही तोमर, वंशिका भदौरिया, ज्योति वर्मा, परी शिवहरे और आराधना चौहान ने किया। यज्ञ प्रारंभ होने से पूर्व श्रीराम शर्मा आचार्य एवं माता भगवती देवी के स्वरूप में शिवानी झा और आरती मंच पर उपस्थित रहीं। दीप यज्ञ शुरू होने से पहले वरिष्ठ गायत्री परिजन गोपाल सिंह चौहान ने बाल आचार्यों को प्रशस्ति पत्र एवं साहित्य भेंट कर सम्मानित किया। यज्ञ में 20 बालकों सहित नवयुग के संविधान का वाचन भी किया गया।

आयोजकों ने बताया कि 20 सितंबर को गुरुदेव एवं माताजी का जन्मदिवस मनाया जाता है। गुरुदेव का जन्म 20 सितंबर 1911 तथा माताजी का जन्म 20 सितंबर 1926 को हुआ था।

गुरुदेव ने बसंत पंचमी 1926 को अखंड दीप की स्थापना की थी, जो आज भी निरंतर प्रज्वलित है।

इससे पहले दोपहर 2 बजे डॉ. कल्पना शर्मा के नेतृत्व में ओजस्विनी विचार मंच की 10 पदाधिकारियों की परिचर्चा आयोजित हुई। इसमें डिजिटल युग में पुस्तकों की प्रासंगिकता विषय पर चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि तकनीक के बढ़ते प्रभाव के बावजूद पुस्तकों का महत्व बना हुआ है और उनमें निहित ज्ञान समाज को दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

शाम 5.30 बजे विभिन्न राजनीतिक संगठनों के पदाधिकारियों की विचार संगोष्ठी हुई। इसमें विवेक नारायण शेजवलकर, मधुसूदन भदौरिया, सुमन शर्मा, सुधीर गुप्ता, विनोद गर्ग, प्रमोद खंडेलवाल और अशोक कस्तवार सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। संगोष्ठी में आचार्य द्वारा धर्म तंत्र के माध्यम से लोक शिक्षण अभियान को जनमानस तक पहुंचाने के प्रयासों पर विचार रखे गए। वक्ताओं ने कहा कि समाज में शिक्षा, संस्कार और सकारात्मक विचारों के प्रसार के लिए ऐसे अभियानों की महत्वपूर्ण भूमिका है। मेले के संयोजक यशराज भंसाली एवं सहसंयोजक आर. चोपड़ा ने बताया कि सोमवार को विराट पुस्तक मेले का अंतिम दिन होगा। दोपहर 2 बजे समापन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

मुरैना में भव्य रूप से संपन्न हुआ 'आशीर्वाद का दिया' कार्यक्रम

सेवा-संकल्प अभियान के तहत पूरे जिले में लगभग डेढ़ लाख दीप हुए प्रज्वलित, रोशनी से आलोकित हुआ मुरैना

मुरैना, जीएनएस।

सेवा-संकल्प अभियान 2026 के अंतर्गत 'आशीर्वाद का दिया' कार्यक्रम जिलेभर में भव्य एवं गरिमामय रूप से गत दिवस संपन्न हुआ। कार्यक्रम के तहत मुरैना जिले में घरों एवं सार्वजनिक स्थलों सहित लगभग डेढ़ लाख दीप प्रज्वलित किए गए। जिला मुख्यालय से लेकर विकासखंडों, ग्राम पंचायतों, नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों तक नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए दीप प्रज्वलित किए और देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को जन्मदिवस के अवसर पर शुभकामनाएं एवं आशीर्वाद दिया।

जिला मुख्यालय स्थित बिस्मिल संग्रहालय परिसर में 11 हजार दीपों का सामूहिक प्रज्वलन किया गया, जिससे पूरा परिसर दीपों की रोशनी से जगमगा उठा। इस अवसर पर सांसद श्री शिवमंगल सिंह तोमर, महापौर श्रीमती शारदा सोलंकी, कलेक्टर श्री लोकेश कुमार जांगिड़, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री कमलेश कुमार भार्गव, जिलाध्यक्ष श्री कमलेश कुशवाह सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी, समाजसेवी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। वहीं ऐंती स्थित श्री शनिदेव मंदिर परिसर में 21 हजार दीप प्रज्वलित किए गए। दीपों की आकर्षक रोशनी से दोनों प्रमुख स्थल आलोकित हो उठे।

'आशीर्वाद का दिया' कार्यक्रम का आयोजन जिला मुख्यालय तक सीमित नहीं रहा, बल्कि जिले के सभी विकासखंडों एवं ग्राम पंचायतों में भी व्यापक स्तर पर दीप प्रज्वलित किए गए।

विकासखंड स्तर पर शासकीय कार्यालयों, विद्यालयों, महाविद्यालयों, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों एवं अन्य स्वास्थ्य संस्थानों, पंचायत भवनों तथा विभिन्न शासकीय संस्थाओं में अधिकारियों-कर्मचारियों, विद्यार्थियों, शिक्षकों, स्वास्थ्यकर्मियों एवं स्थानीय नागरिकों ने दीप प्रज्वलित किए। ग्राम पंचायत स्तर पर पंचायत प्रतिनिधियों, ग्रामीणों, स्व-सहायता समूहों, विद्यार्थियों एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों ने भी सामूहिक रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम में सहभागिता की। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं एवं कार्यक्रमों से लाभान्वित हितग्राहियों ने भी उत्साहपूर्वक सहभागिता की। प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, किसान कल्याण से संबंधित योजनाओं, आयुष्मान भारत सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त कर रहे हितग्राहियों ने भी दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम में अपनी सहभागिता दर्ज कराई। हितग्राहियों की सहभागिता ने कार्यक्रम को जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित परिवारों की व्यापक जनभागीदारी से जोड़ा।

विद्यालयों में विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने दीप प्रज्वलित कर सेवा, संस्कार और सामाजिक सहभागिता का संदेश दिया। प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों एवं अन्य स्वास्थ्य संस्थानों में चिकित्सकों, स्वास्थ्यकर्मियों एवं अन्य स्टाफ ने सहभागिता की। इसी प्रकार विभिन्न शासकीय विभागों एवं संस्थाओं में अधिकारियों-कर्मचारियों द्वारा अपने-अपने परिसरों में दीप प्रज्वलित किए गए। स्व-सहायता समूहों, सामाजिक संगठनों एवं अन्य संस्थाओं ने भी कार्यक्रम में सक्रिय भागीदारी निभाई। घर-घर और सार्वजनिक स्थलों पर एक साथ प्रज्वलित हुए दीपों से जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में उत्सव और सहभागिता का वातावरण निर्मित हुआ। सेवा-संकल्प अभियान 2026 के अंतर्गत आयोजित 'आशीर्वाद का दिया' कार्यक्रम ने जिलेभर में सेवा, सहभागिता, सामाजिक एकजुटता एवं जनकल्याण की भावना को सशक्त किया। घरों से लेकर सार्वजनिक स्थलों, शासकीय संस्थानों, विद्यालयों, स्वास्थ्य केन्द्रों एवं ग्राम पंचायतों तक प्रज्वलित हुए दीपों ने जिले की व्यापक जनभागीदारी और सामूहिक सेवा-संकल्प को प्रदर्शित किया। कार्यक्रम में शामिल नागरिकों, हितग्राहियों, जनप्रतिनिधियों, विद्यार्थियों, शासकीय अधिकारियों-कर्मचारियों एवं विभिन्न संस्थाओं ने सेवा एवं जनकल्याण के कार्यों में सक्रिय भागीदारी का संकल्प व्यक्त किया।

'मेरे सपनों का भारत' अभियान के तहत विद्यार्थियों की ड्राइंग एवं भाषण प्रतियोगिताएं होंगी आयोजित

मुरैना, जीएनएस।

17 सितम्बर से 17 अक्टूबर 2026 तक आयोजित 'सेवा-संकल्प अभियान' के अंतर्गत विद्यार्थियों में विकसित भारत की संकल्पना एवं सेवा कार्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से 'मेरे सपनों का भारत' विषय पर विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इन गतिविधियों का आयोजन 19 सितम्बर से 26 अक्टूबर 2026 तक जिले के विद्यालयों में किया जाएगा।

अभियान के अंतर्गत जिले के सभी शासकीय एवं निजी विद्यालयों में विद्यार्थियों को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यों तथा विकसित भारत की संकल्पना के संबंध में जानकारी दी जाएगी। इसके साथ ही विद्यार्थियों की रचनात्मकता एवं अभिव्यक्ति क्षमता को प्रोत्साहित करने के लिए 'मेरे सपनों का भारत' विषय पर ड्राइंग एवं भाषण प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। ड्राइंग प्रतियोगिता के उपरांत विद्यालय में उपलब्ध कक्ष, हॉल अथवा अन्य उपयुक्त स्थान पर विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए उत्कृष्ट चित्रों की प्रदर्शनी लगाई जाएगी। प्रतियोगिताओं एवं प्रदर्शनी के माध्यम से विद्यार्थियों की कल्पनाओं में बसे विकसित भारत के सपने और उनकी सोच को परिवार एवं समाज तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा।

उत्कृष्ट चित्र बनाने वाले तथा भाषण प्रतियोगिता में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया जाएगा। प्रतियोगिताओं एवं चित्र प्रदर्शनी में विद्यार्थियों के अभिभावकों के साथ ही गांव के अन्य नागरिकों को भी आमंत्रित किया जाएगा, जिससे विद्यार्थियों की रचनात्मक अभिव्यक्ति को प्रोत्साहन मिलने के साथ अभियान का संदेश व्यापक स्तर तक पहुंच सके। प्रतियोगिताओं के आयोजन के लिए जिला शिक्षा अधिकारी, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग एवं जिला परियोजना अधिकारी, जिला शिक्षा केन्द्र द्वारा आवश्यक समन्वय किया जाएगा।

अमानक बीजों पर कृषि विभाग की सख्त कार्रवाई, 7 फर्मों के बीज लॉट प्रतिबंधित

मुरैना, जीएनएस।

कलेक्टर श्री लोकेश कुमार जांगिड़ के निर्देश पर किसानों को गुणवत्तापूर्ण एवं मानक बीज उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिले में बीज विक्रेता फर्मों के विरुद्ध सघन जांच एवं नमूना लेने की कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में प्रयोगशाला जांच के दौरान 7 फर्मों के बीज लॉट निर्धारित गुणवत्ता मानकों के अनुरूप नहीं पाए गए। कृषि विभाग द्वारा इन अमानक बीज लॉट के जिले में भंडारण, विक्रय एवं स्थानांतरण पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगाया गया है।उप संचालक कृषि श्री अनंत सड़ैया के मार्गदर्शन में कृषि विकास अधिकारियों द्वारा विभिन्न बीज विक्रेता फर्मों से बीजों के नमूने लिए जाकर प्रयोगशाला जांच के लिए भेजे गए थे। प्राप्त जांच रिपोर्ट के अनुसार मैसर्स विवेक बीज भंडारण, कैलारस एवं मैसर्स शिव कृषि क्लिनिक, कैलारस के बीजों का अंकुरण 68-68 प्रतिशत पाया गया। इसी प्रकार मैसर्स जादौन कृषि सेवा केन्द्र, सुमावली, जौरा एवं मैसर्स ए.के. ब्रदर्स खाद बीज भंडारण, पहाड़गढ़ रोड, कैलारस के बीजों का अंकुरण 69-69 प्रतिशत, मैसर्स कृष्णा बीज भंडारण, जौरा का 67 प्रतिशत, श्री दाउजी बीज भंडार, शुकलूपुरा, जौरा का 68 प्रतिशत तथा रोहित बीज भंडार का 69 प्रतिशत पाया गया। प्रयोगशाला जांच में निर्धारित गुणवत्ता मानकों के अनुरूप नहीं पाए जाने पर संबंधित बीज लॉट के भंडारण, विक्रय एवं स्थानांतरण पर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई है। कृषि विभाग द्वारा किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए जिले में बीजों की गुणवत्ता की निरंतर निगरानी की जा रही है तथा बीज विक्रेता फर्मों से नमूने लेकर उनकी प्रयोगशाला जांच कराई जा रही है। कृषि विभाग द्वारा स्पष्ट किया गया है कि अमानक बीजों के विक्रय एवं वितरण को रोकने के लिए जांच एवं निगरानी की कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के तहत नंदपुरा में 186 आवेदनों पर हुई सुनवाई, 22 आवेदनों का त्वरित निराकरण किया गया

मुरैना, जीएनएस।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सहित मुरैना जिले में मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान-2026 का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। अभियान के चार प्रमुख स्तंभ संवाद, समाधान, संवेदनशीलता एवं सादगी के अनुरूप शुक्रवार को जनपद पंचायत पोरसा की ग्राम पंचायत नंदपुरा (खेरिया) में क्षेत्र भ्रमण एवं जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित किया गया। कलेक्टर श्री लोकेश कुमार जांगिड़ ने ग्रामीणों के बीच पहुंचकर उनसे सीधा संवाद किया और उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

शिविर में विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 186 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से 26 आवेदन समय-सीमा में निराकरण हेतु दर्ज किए गए, जबकि 22 प्रकरणों का मौके पर ही निराकरण किया गया। शिविर में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री कमलेश कुमार भार्गव, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अम्बाह श्रीमती प्रतिज्ञा शर्मा, जनपद पंचायत पोरसा की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती सुनीता शर्मा, मुख्य नगरपालिका अधिकारी पोरसा सहित जिला एवं खण्ड स्तर के अधिकारी तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने कहा कि मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान का उद्देश्य प्रशासन को ग्रामीणों के बीच पहुंचाकर उनकी समस्याओं को सुनना और यथासंभव उनका स्थानीय स्तर पर ही समाधान सुनिश्चित करना है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि ग्रामीणों से प्राप्त आवेदनों को गंभीरता से लेते हुए प्रत्येक प्रकरण का नियमानुसार एवं समय-सीमा में निराकरण किया जाए।

ई-केवायसी पूर्ण कर 7 पेंशन प्रकरण स्वीकृत

शिविर में पेंशन से संबंधित 7 ऐसे प्रकरण सामने आए, जिनमें ई-केवायसी पूर्ण नहीं होने के कारण हितग्राहियों को पेंशन का लाभ नहीं मिल पा रहा था। कलेक्टर के निर्देश पर मौके पर ही ई-केवायसी की प्रक्रिया पूर्ण कराई गई तथा सभी 7 पेंशन प्रकरण स्वीकृत किए गए। पेंशन स्वीकृत होने पर संबंधित हितग्राहियों को तत्काल लाभ मिलने का मार्ग प्रशस्त हुआ।

शांतिधाम के लिए भूमि आरक्षित, शीघ्र शुरू होगा निर्माण

ग्राम खेरिया के ग्रामीणों ने शांतिधाम के लिए भूमि उपलब्ध नहीं होने की समस्या कलेक्टर के समक्ष रखी। कलेक्टर के निर्देश पर राजस्व एवं पंचायत विभाग की टीम ने समन्वय कर शांतिधाम के लिए भूमि आरक्षित कर दी। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि आवश्यक प्रक्रिया पूर्ण कर यहां शीघ्र निर्माण कार्य प्रारंभ कराया जाए।

ग्रामीणों ने गांव को मुख्य सड़क से जोड़ने वाले दो मार्गों के निर्माण से संबंधित समस्या भी रखी। कलेक्टर ने बताया कि दोनों मार्गों के लिए प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत तकनीकी स्वीकृति की प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है तथा प्रशासनिक स्वीकृति भी जारी कर दी गई है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आगामी चार से पांच माह में दोनों मार्गों का निर्माण कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए।

मध्यप्रदेश में पर्यटन विकास की असीम संभावनाएं हैं: उप मुख्यमंत्री

भोपाल, जीएनएस।
उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने माँ तुझे सलाम योजना के तहत रीवा जिले के भ्रमण पर आए भोपाल संभाग के युवाओं के दल को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। यह दल रीवा जिले में महामृत्युंजय मंदिर, संग्रहालय, व्हाइट टाइगर सफारी, पुरवा प्रपात तथा बसामन मामा गौ अभ्यारण्य का भ्रमण करेगा। कार्यक्रम का आयोजन खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा किया गया है। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश और विन्ध्य में पर्यटन विकास की असीम संभावनाएं हैं। रीवा संभाग में प्राकृतिक सौन्दर्य से भरपूर वन और जलप्रपात तथा मैहर, चित्रकूट और अमरकंटक जैसे धार्मि स्थल सभी को आकर्षित करते हैं। मुकुंदपुर व्हाइट टाइगर सफारी, पन्ना नेशनल पार्क, संजय टाइगर रिजर्व, बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व, संजय दुबरी अभ्यारण्य अच्छे पर्यटन स्थल हैं।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि रीवा को चारों ओर से हाईवे की कनेक्टिविटी है। यहाँ रेलमार्ग तथा पाँच प्रमुख शहरों के लिए एटीआर

72 की हवाई सेवा उपलब्ध है। कई लोग वीकेंड में हवाई जहाज से रीवा आते हैं और आसपास के क्षेत्रों का भ्रमण करते हैं। रीवा में 750 मेगावाट का सोलर प्लांट है जिसकी बिजली से दिल्ली की मेट्रो चलती है। बसामन मामा गौ अभ्यारण्य में 9 हजार से अधिक गौ माता को आश्रय देने के साथ-साथ प्राकृतिक खेती का माडल भी विकसित किया गया है। गौपालन और प्राकृतिक खेती से ही हमारी भावी पीढ़ी स्वस्थ रहेगी। युवा पीढ़ी स्वस्थ रहेगी तभी विकास के कार्यों का लाभ उठा सकेगी। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने वर्ष 2047 तक देश को पूर्ण विकसित करने और विश्वगुरू बनाने का संकल्प लिया है। प्रधानमंत्री जी के सपनों के भारत विकास का लाभ आज की जेन जी पीढ़ी यानी युवाओं को ही मिलेगा। कार्यक्रम में संभागीय खेल अधिकारी एमके धौलपुरी ने बताया कि भोपाल संभाग से आए युवाओं के दल ने सीहोर, रायसेन, विदिशा, राजगढ़ और भोपाल के युवा शामिल हैं। इन्हें दो दिवस तक जिले में भ्रमण कराया जाएगा। कार्यक्रम में अध्यक्ष नगर निगम श्री व्यंकटेश पाण्डेय, राजगोपाल मिश्रचारी, अन्य जनप्रतिनिधिगण तथा युवा उपस्थित रहे।

प्रिया वल्लभ कुंज में धूमधाम से सम्पन्न हुआ पंच दिवसीय श्रीराधा जन्म महोत्सव

वृन्दावन, जीएनएस।
छीपी गली स्थित ठाकुर प्रियावल्लभ कुंज में श्रीहित उत्सव चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में चल रहे पंच-दिवसीय श्रीराधा जन्म महोत्सव के अंतर्गत प्रख्यात सितार वादक ऋतु तिवारी (आगरा) के द्वारा सितार वादन किया गया।तत्पश्चात मंगल बधाई समाज गायन सम्पन्न हुआ।जिसमें श्रीहित परमानंद दास महाराज की वाणियों का संगीत की मृदुल स्वर लहरियों के मध्य गायन किया गया।

इस अवसर पर आयोजित संत विद्वत सम्मेलन एवं सम्मान समारोह का आयोजन संपन्न हुआ।जिसकी अध्यक्षता करते हुए प्रख्यात साहित्यकार ÷यूपी रत्न÷ डॉ. गोपाल चतुर्वेदी एवं सन्त रामदास महाराज (अयोध्या) ने कहा कि श्रीहित परमानंद दास महाराज श्रीराधा वल्लभ सम्प्रदाय की बहुमूल्य निधि थे।उनके साहित्य में ब्रज-वृन्दावन का विवेचन वृहद स्तर पर है।इसलिए उनका साहित्य ब्रज की अनमोल थाती है।

श्रीहित परमानंद शोध संस्थान के संस्थापक अध्यक्ष व ठाकुरश्री प्रियावल्लभ मन्दिर के सेवायत

आचार्य विष्णु मोहन नागार्च एवं हित उत्सव चेरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक अध्यक्ष आचार्य ललित वल्लभ नागार्च ने कहा कि प्रिया वल्लभ कुंज 18 वीं शताब्दी के रससिद्ध वाणीकार श्रीहित परमानंद दास महाराज की साधना स्थली है।उन्होंने यहां रहकर तमाम राधा वल्लभीय साहित्य का प्रणयन किया।जिसका प्रकाशन करने के लिए हमारा संस्थान संकल्पबद्ध है।

हंसराज कॉलेज (दिल्ली विश्वविद्यालय) के प्रोफेसर डॉ. नृत्य गोपाल शर्मा एवं डॉ. राजेश शर्मा ने कहा कि श्रीहित परमानंद शोध संस्थान अपने विभिन्न क्रिया कलापों के द्वारा ब्रज के प्रख्यात रसिक वाणीकारों को संरक्षित व उनका प्रकाशन करके अति महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है।इसकी जितनी भी प्रशंसा की जाए वो कम है। संत-विद्वत सम्मेलन के अंतर्गत श्रीहित परमानंद शोध संस्थान के द्वारा श्रीराधा वल्लभ सम्प्रदायाचार्य आचार्य गोस्वामी सुकृत लाल महाराज को ÷श्रीहित परमानंद सम्मान÷, डॉ. सारिका शुक्ला को ÷हित निधि सम्मान÷ एवं श्रीराधावल्लभ लाल का फूल कलि द्वारा श्रृंगार बनाने वाली बहिनों को ÷फूल श्रृंगार सेवी सम्मान÷ से अलंकृत किया गया।जिसमें आचार्य विष्णु मोहन नागार्च, डॉ. गोपाल चतुर्वेदी,आचार्य ललित वल्लभ नागार्च व पार्षद रसिक वल्लभ नागार्च आदि ने सभी सम्मानित विभूतियों को प्रशस्ति पत्र,ठाकुर प्रिया वल्लभ लाल जी का चित्रपट, पटुका प्रसादी माला,शॉल,श्रीफल आदि।

पोरसा सेवाकेंद्र पर ब्रह्माकुमारी अवधेश दीदी का प्रथम पुण्य स्मृति दिवस श्रद्धापूर्वक मनाया गया

पोरसा, जीएनएस।
मध्य प्रदेश भोपाल जोनल डायरेक्टर राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी अवधेश दीदी का प्रथम पुण्य स्मृति दिवस पोरसा स्थित ब्रह्माकुमारी सेवाकेंद्र पर श्रद्धा एवं भावपूर्ण वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने दीदी जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी और उनके बताए सेवा एवं आध्यात्मिक मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से पूर्व विधायक कमलेश जाटव उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि जब भी उन्हें दीदी जी से पोरसा सेवाकेंद्र पर मिलने का अवसर मिला, उनके व्यक्तित्व एवं व्यवहार में आत्मीयता और आध्यात्मिक भाव स्पष्ट रूप से दिखाई देता था। उनका स्नेहपूर्ण व्यवहार सभी को अपनेपन का एहसास कराता था।

बीके रेखा बहन ने दीदी जी के जीवन एवं शिक्षाओं पर प्रकाश डालते हुए सभी से उनके आदर्शों को अपने जीवन में उतारने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि

दीदी जी के मार्गदर्शन में अनेक बहनें और भाई आज भी सेवा कार्य कर रहे हैं। उनका मार्गदर्शन और कृपादृष्टि सदैव हमारे साथ रहेगी, ऐसा हम सभी का विश्वास है।

उन्होंने बताया कि ब्रह्माकुमारी अवधेश दीदी ने बाल्यकाल से ही अपना जीवन समाज सेवा एवं आध्यात्मिक उत्थान के लिए समर्पित कर दिया था। 19 सितंबर 2025 को उन्होंने अपनी पुरानी देह का त्याग किया था। उनकी प्रथम पुण्य स्मृति पर उपस्थित सभी लोगों ने संकल्प लिया कि दीदी जी की शिक्षाओं को अपने जीवन का उद्देश्य बनाकर समाज के अधिक से अधिक लोगों तक सेवा, प्रेम और आध्यात्मिकता का संदेश पहुंचाएंगे।

वक्ताओं ने कहा कि दीदी जी ममता की मूर्ति थीं। वे प्रत्येक व्यक्ति को मां जैसा स्नेह, प्यार और अपनापन देती थीं। उनके स्नेह एवं मार्गदर्शन को याद करते हुए उपस्थित लोगों ने भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की।

कार्यक्रम में पूर्व विधायक कमलेश जाटव, राकेश उपाध्याय, वरिष्ठ नेता एवं जिला मंत्री बबलू बघेल, पूर्व नगर मंडल अध्यक्ष रामकुमार गुप्ता, गिनीज बुक होल्डर डॉ. अनिल गुप्ता, डॉ. पीसी गुप्ता, बीना तोमर, समाजसेवक मंजू गुप्ता तथा महिला मोर्चा अध्यक्ष वंदना गुप्ता सहित अन्य गणमान्य नागरिक एवं ब्रह्माकुमारी सेवाकेंद्र से जुड़े भाई-बहन उपस्थित रहे।

अंत में सभी उपस्थितजनों ने ब्रह्माकुमारी अवधेश दीदी के बताए मार्ग पर चलने तथा उनके सेवा, प्रेम और आध्यात्मिक संदेश को समाज तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

जैन मिलन युगल शाखा आदि-पार्श्व द्वारा भजन प्रतियोगिता आयोजित

ग्वालियर, जीएनएस।
दशलक्षण महापर्व के अंतर्गत मार्दव धर्म के अवसर पर दिगम्बर जैन मंदिर थाटीपुर में भजन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन प्रबंध समिति दिगम्बर जैन मंदिर थाटीपुर द्वारा तथा सहयोग जैन मिलन युगल शाखा आदि-पार्श्व द्वारा किया गया। जैन समाज के प्रवक्ता सचिन जैन ने बताया कि भजन प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने भक्तिमय भजनों की सुंदर प्रस्तुतियां देकर उपस्थित धर्मावलंबियों को भाव-विभोर कर दिया। प्रतियोगिता के परिणाम में प्रथम पुरस्कार श्रीमती माधुरी संजय जैन, द्वितीय पुरस्कार श्री अजय ममता जैन, तृतीय पुरस्कार श्रीमती चेष्टा कपिल जैन तथा विशेष पुरस्कार श्रीमती कुसुमलता सिंघई को प्रदान किया गया। प्रतियोगिता के निर्णायक के

रूप में वीर अभिषेक जैन एवं धर्मचंद जैन, उपाध्यक्ष, प्रबंध समिति ने अपनी भूमिका निभाई। कार्यक्रम का संचालन - श्रीमति वर्षा नितिन जैन द्वारा किया गया। कार्यक्रम में श्री शलज टडैया, रज्जन कुमार जैन, पियूष सिंघई, संजय जैन, उर्मिला जैन, निक्की टडैया, रविन्द्र सिंघई, किशोर भारिल्ल, रोली जैन, साकेत जैन सहित अनेक धर्मावलंबियों की उपस्थिति रही। इस अवसर पर जैन मिलन युगल आदि-पार्श्व के अध्यक्ष अतिवीर विमल-कमलेश जैन तथा कोषाध्यक्ष वीर मनोज-श्वेता जैन सहित शाखा के सदस्यों ने सहभागिता की।

भिण्ड-गोरमी
के
समाचार
विज्ञापन
के लिए सम्पर्क करें
महेश चौधरी
98267-36233

निष्पक्षता-विश्वसनीयता एवं जनहित का संवाहक
श्रमसाधना

संपादकीय

गणना का तिलिस्म और लापता मतदाता

लोकतंत्र की सबसे पहली शर्त है–नागरिक की भागीदारी। और चुनावी लोकतंत्र में यह भागीदारी मतदाता सूची में दर्ज एक नाम से शुरू होती है। इसलिए मतदाता सूची को महज आंकड़ों और नामों का प्रशासनिक दस्तावेज मानना उचित नहीं होगा। इसमें दर्ज प्रत्येक नाम के पीछे एक नागरिक है, उसका अधिकार है और लोकतांत्रिक व्यवस्था में उसकी भागीदारी है। ऐसे में किसी योग्य नागरिक का नाम सूची से गायब मिलना केवल एक तकनीकी समस्या नहीं, बल्कि गंभीर प्रशासनिक प्रश्न है।

मतदाता सूची का पुनरीक्षण आवश्यक है। लोगों के निवास बदलते हैं, मृत्यु होती है, नए मतदाता पात्र बनते हैं, विवरणों में बदलाव होता है और कभी-कभी दोहराई गई प्रविष्टियों को हटाना पड़ता है। विशेष गहन पुनरीक्षण जैसी प्रक्रियाएं इसी उद्देश्य से की जाती हैं कि सूची अधिक सटीक और अद्यतन बन सके। लेकिन इस पूरी प्रक्रिया में सबसे महत्वपूर्ण सवाल यह है कि गलत नाम हटाने की कोशिश में कहीं सही नाम ही न हट जाए।

यहीं से ÷लापता मतदाता÷ का प्रश्न सामने आता है।

किसी मतदाता का नाम सूची में न मिलने के कई कारण हो सकते हैं। वह दूसरे निर्वाचन क्षेत्र में स्थानांतरित हो चुका हो सकता है, आवश्यक प्रक्रिया पूरी न कर पाया हो सकता है अथवा सत्यापन और संशोधन के दौरान उसके विवरण में बदलाव हुआ हो सकता है। इसलिए हर गायब नाम को तत्काल अनियमितता का प्रमाण मानना उचित नहीं है। लेकिन हर ऐसे मामले की जांच और नागरिक को अपनी बात रखने का अवसर मिलना उतना ही आवश्यक है।

मतदाता सूची की शुद्धता और नागरिकों की भागीदारी–दोनों को साथ लेकर चलना होगा। एक ओर मृत, स्थानांतरित या दोहराई गई प्रविष्टियों को हटाना जरूरी है, तो दूसरी ओर यह सुनिश्चित करना भी जरूरी है कि कोई योग्य नागरिक अनजाने में मतदान के अधिकार से वंचित न रह जाए। प्रशासनिक दक्षता की असली परीक्षा इसी संतुलन में है।

यह जिम्मेदारी केवल प्रशासन की भी नहीं है। नागरिकों को समय-समय पर अपने मतदाता विवरण की जांच करनी चाहिए। यदि नाम नहीं है या विवरण में त्रुटि है, तो निर्धारित प्रक्रिया के माध्यम से सुधार और पंजीकरण के लिए आवेदन किया जाना चाहिए। चुनाव के दिन समस्या सामने आने के बजाय उससे पहले समाधान तलाशना अधिक उपयोगी है। डिजिटल तकनीक ने मतदाता सेवाओं को काफी सरल बनाया है। नाम खोजना, आवेदन की स्थिति देखना और सुधार के लिए आवेदन करना पहले की तुलना में आसान हुआ है। लेकिन तकनीक केवल माध्यम है, समाधान नहीं। सही जानकारी का संकलन, उसका मानवीय सत्यापन, पारदर्शी प्रक्रिया और समय पर शिकायत निवारण भी उतने ही जरूरी हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह समझने की है कि मतदाता सूची में दर्ज संख्या के पीछे इंसान है। इसलिए सूची को बड़ा या छोटा बनाने की बजाय लक्ष्य ऐसी सूची तैयार करना होना चाहिए, जो सटीक भी हो और समावेशी भी। लोकतंत्र में किसी योग्य नागरिक का नाम गायब होना एक छोटा आंकड़ा नहीं है। यह उस नागरिक की आवाज से जुड़ा सवाल है। इसलिए मतदाता गणना का तिलिस्म आंकड़ों से आगे बढ़कर नागरिक के अधिकार तक पहुंचना चाहिए।

जिंदगी कोई सिनेमा नहीं है

दर्द होना कमजोरी नहीं, टूटकर फिर संभलना ही जिंदगी की असली खूबसूरती है

जिंदगी कोई सिनेमा नहीं है, जहां हर कहानी के अंत में सब कुछ ठीक हो जाता है। यहां चोट लगती है तो दर्द होता है। शरीर की चोट दिखाई दे जाती है, लेकिन मन पर लगी चोट अक्सर दिखाई नहीं देती। कई बार इंसान मुस्कुराता रहता है, लोगों से बातें करता है, अपने काम में लगा रहता है और कहता है–÷मैं ठीक हूं।÷ लेकिन उसके भीतर क्या चल रहा है, यह केवल वही जानता है।

हम अक्सर दूसरों की मुस्कान देखकर यह मान लेते हैं कि उनकी जिंदगी आसान है। हमें लगता है कि जो व्यक्ति हंस रहा है, वह खुश है और जो चुप है, उसे कोई परेशानी नहीं। जबकि सच यह है कि हर चेहरे के पीछे एक कहानी होती है और हर कहानी में कुछ ऐसे पन्ने भी होते हैं, जिन्हें इंसान किसी के सामने खोलना नहीं चाहता।

दर्द जिंदगी का हिस्सा है। उससे बचना संभव नहीं है। कभी रिश्ते चोट देते हैं, कभी परिस्थितियां, कभी अपने लोगों का व्यवहार और कभी खुद से की गई उम्मीदें। कई बार हम पूरी ईमानदारी से किसी रिश्ते को निभाते हैं, लेकिन बदले में वही अपनापन नहीं मिलता। कई बार हम किसी के लिए बहुत कुछ करते हैं, लेकिन समय आने पर वही व्यक्ति हमारे साथ खड़ा नहीं होता। ऐसे क्षण भीतर तक तोड़ देते हैं।

लेकिन क्या टूट जाना ही जिंदगी का अंत है?

नहीं।

जिंदगी का असली अर्थ शायद यही है कि इंसान टूटने के बाद खुद को फिर से समेटना सीखता है।

मजबूत होने का अर्थ यह नहीं है कि आप कभी रोएं नहीं, कभी थकें नहीं या कभी कमजोर महसूस न करें। मजबूत होने का अर्थ यह है कि रो लेने के बाद भी आप उठें, थक जाने के बाद भी आगे बढ़ें और निराश होने के बाद भी उम्मीद का कोई छोटा-सा दीपक अपने भीतर जलाए रखें।

कभी-कभी हम अपने आप से भी बहुत कठोर व्यवहार करते हैं। हम खुद को यह कहकर दबाते रहते हैं कि हमें मजबूत बनना है, किसी के सामने अपनी परेशानी नहीं दिखानी है, हर परिस्थिति में मुस्कुराना है। लेकिन इंसान मशीन नहीं है। उसके भीतर भावनाएं हैं, संवेदनाएं हैं, उम्मीदें हैं और टूटने की एक सीमा भी है।

रो लेना कमजोरी नहीं है।

किसी के सामने अपनी पीड़ा स्वीकार कर लेना भी कमजोरी नहीं है।

कभी यह कहना कि ÷आज मैं ठीक नहीं हूं÷, साहस का संकेत भी हो सकता है।

हमारे समाज में अक्सर पुरुषों से कहा जाता है कि उन्हें रोना नहीं चाहिए। उन्हें हर परिस्थिति में मजबूत दिखना चाहिए। लेकिन आदमी कोई पुष्पा नहीं है कि हर परिस्थिति में केवल एक ही संवाद दोहराता रहे और कभी न झुके। जिंदगी में कई बार झुकना पड़ता है। सवाल यह नहीं है कि आप कितनी बार झुके, सवाल यह है कि आपने किसके लिए और किस उद्देश्य से झुकना स्वीकार किया।

माता-पिता के सामने झुकना सम्मान है।

रिश्ते बचाने के लिए कभी अपने अहंकार को पीछे करना समझदारी है।

बच्चों की खुशी के लिए अपनी जिद छोड़ देना प्रेम है।

जीवनसाथी की भावनाओं को समझने के लिए अपनी बात पर अड़े न रहना रिश्ते की परिपक्वता है।

हर जगह जीत जाना जरूरी नहीं है। कुछ रिश्ते जीतने के लिए कुछ बहसें हारना भी जरूरी होता है।

लेकिन इसका अर्थ यह भी नहीं कि हर गलत बात को स्वीकार कर लिया जाए। अन्याय के सामने चुप रहना हमेशा समझदारी नहीं होती। अपने आत्मसम्मान को बचाना भी जरूरी है। हर लड़ाई लड़ना जरूरी नहीं, लेकिन कुछ लड़ाइयां ऐसी होती हैं जिन्हें छोड़ देना खुद से हार जाने जैसा होता है।

जिंदगी हमें रोज ऐसे मोड़ पर खड़ा करती है, जहां हमें तय करना पड़ता है कि किस बात को पकड़कर रखना है और किस बात को छोड़ देना है।

कभी किसी पुराने रिश्ते की याद छोड़नी पड़ती है।

कभी किसी व्यक्ति से जुड़ी उम्मीद छोड़नी पड़ती है।

कभी अपने अहंकार को छोड़ना पड़ता है।

और कभी-कभी उस दर्द को भी छोड़ना पड़ता है, जिसे हम वर्षों से अपने भीतर ढोते आ रहे होते हैं।

हमारी सबसे बड़ी परेशानी यह है कि हम अतीत को वर्तमान की आंखों से बार-बार देखते रहते हैं। जो हो चुका है, उसे बदला नहीं जा सकता। लेकिन उसके बाद हम क्या करते हैं, यह हमारे हाथ में जरूर है।

जीवन में जिम्मेदारियां भी कम नहीं हैं। परिवार की चिंता, बच्चों का भविष्य, आर्थिक परेशानियां, नौकरी का दबाव, रिश्तों की उलझनें और समाज की अपेक्षाएं–इन सबके बीच इंसान कई बार खुद को कहीं पीछे छोड़ देता है।

वह सबकी जरूरतों का ध्यान रखता है, लेकिन अपनी जरूरतों के बारे में सोचना भूल जाता है।

सबके चेहरे पर मुस्कान लाने की कोशिश करता है, लेकिन अपने चेहरे की थकान पढ़ना भूल जाता है।

यही वजह है कि कई बार इंसान भीड़ में रहकर भी अकेला महसूस करता है।

ऐसे समय में खुद के साथ बैठना जरूरी है। अपने मन की आवाज सुनना जरूरी है। यह स्वीकार करना जरूरी है कि हां, मुझे भी दर्द होता है। हां, मैं भी कभी थक जाता हूं। हां, मुझे भी कभी सहारे की जरूरत होती है।

इस स्वीकार्यता में कमजोरी नहीं, बल्कि आत्मबोध छिपा है।

दर्द को हमेशा दबाकर रखने से वह खत्म नहीं होता। कई बार उसे महसूस करना पड़ता है। अपने आंसुओं को बहने देना पड़ता है। कुछ सवालों के जवाब तुरंत नहीं मिलते। कुछ रिश्तों की सच्चाई समझने में वर्षों लग जाते हैं। कुछ घाव समय के साथ ही भरते हैं।

इसलिए खुद को समय देना भी जरूरी है।

आज अगर जिंदगी कठिन है तो इसका मतलब यह नहीं कि हमेशा ऐसी ही रहेगी। परिस्थितियां बदलती हैं। लोग बदलते हैं। समय बदलता है। और सबसे बड़ी बात–हम खुद बदलते हैं।

जो व्यक्ति आज किसी बात से टूट रहा है, संभव है कि कुछ वर्षों बाद वही घटना उसे जिंदगी का सबसे बड़ा सबक लगे।

हर दर्द अपने साथ कुछ सिखाकर जाता है।

हर असफलता हमें अपनी कमियों से मिलाती है।

हर टूटन हमें अपने भीतर की ताकत पहचानने का अवसर देती है।

और हर बार जब हम गिरकर उठते हैं, हम पहले से थोड़े अधिक मजबूत हो जाते हैं।

इसलिए अपनी जिंदगी की तुलना किसी और की जिंदगी से मत कीजिए। किसी की चमक देखकर उसके संघर्ष का अनुमान मत लगाइए। हर व्यक्ति अपनी लड़ाई लड़ रहा है। किसी की लड़ाई दिखाई देती है, किसी की नहीं।

और शायद यही जिंदगी की सबसे बड़ी सच्चाई है–हम सभी किसी न किसी मोर्चे पर संघर्ष कर रहे हैं।

इसलिए अगर आज मन भारी है तो थोड़ा ठहरिए। खुद को दोष देने के बजाय खुद को समझिए। अगर आंखों में आंसू हैं तो उन्हें आने दीजिए। अगर थक गए हैं तो कुछ समय आराम कर लीजिए। लेकिन खुद को वहीं मत छोड़िए।

क्योंकि जिंदगी रुकने का नाम नहीं है।

कभी रास्ता कठिन होगा, कभी लोग साथ छोड़ेंगे, कभी अपने फैसलों पर संदेह होगा और कभी लगेगा कि आगे कुछ दिखाई नहीं दे रहा। लेकिन रास्ते अक्सर चलते रहने से ही दिखाई देते हैं।

याद रखिए–दर्द होना कमजोरी नहीं है। रोना हार नहीं है। थक जाना असफलता नहीं है। किसी रिश्ते के लिए झुक जाना हमेशा आत्मसम्मान खोना नहीं है। और टूट जाना जिंदगी का अंत नहीं है।

अंत तो तब होता है, जब इंसान उठने की कोशिश छोड़ देता है।

जिंदगी किसी फिल्म का दृश्य नहीं, जिसे निर्देशक अपनी इच्छा से बदल दे। यहां कहानी के कई हिस्से हमारे हाथ में नहीं होते, लेकिन अपनी भूमिका निभाने का तरीका हमारे हाथ में जरूर होता है।

हम यह तय नहीं कर सकते कि कौन हमारे साथ रहेगा, कौन दूर चला जाएगा, कौन हमें समझेगा और कौन गलत समझेगा। लेकिन हम यह तय कर सकते हैं कि इन सबके बावजूद हम खुद को कितना संभालेंगे।

प्रिंसिपल : विद्यालय की आत्मा को आकार देने वाला

डॉ. विजय गर्ग

विद्यालय केवल कक्षाओं, पाठ्यपुस्तकों, परीक्षाओं और इमारतों का नाम नहीं है। वह एक जीवंत संस्था है, जहां युवा मस्तिष्क विकसित होते हैं, व्यक्तित्व आकार लेता है और जीवन के सपने दिशा पाते हैं। इस पूरी व्यवस्था के केंद्र में प्रिंसिपल की भूमिका केवल प्रशासक की नहीं, बल्कि नेतृत्वकर्ता, मार्गदर्शक और विद्यालय के मूल्यों के संरक्षक की होती है।

एक प्रिंसिपल विद्यालय को दिशा देता है। शिक्षक विद्यार्थियों के साथ कक्षा में सीधे काम करते हैं, लेकिन ऐसा वातावरण तैयार करने की जिम्मेदारी प्रिंसिपल की होती है, जिसमें शिक्षण और सीखने की प्रक्रिया बेहतर ढंग से विकसित हो सके। अनुशासन भी केवल नियमों और भय से पैदा नहीं होता। उसका स्थायी आधार जिम्मेदारी, सम्मान और आत्म-अनुशासन है।

विद्यालयी नेतृत्व की शुरुआत इस सवाल से होनी चाहिए कि हम विद्यार्थियों को आखिर बनाना क्या चाहते हैं? केवल अच्छे परीक्षा परिणाम हासिल करने वाले विद्यार्थी या ऐसे जिम्मेदार नागरिक, जिनमें ज्ञान के साथ ईमानदारी, संवेदनशीलता, साहस, सहयोग और सामाजिक जिम्मेदारी भी हो। शिक्षा का उद्देश्य केवल अंक और प्रमाणपत्र नहीं, बल्कि बेहतर इंसान तैयार करना भी है।

प्रिंसिपल की भूमिका शिक्षकों के संदर्भ में भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। जिस शिक्षक को सम्मान, विश्वास और सहयोग मिलता है, उसमें रचनात्मकता और उत्साह के साथ काम करने की संभावना बढ़ती है। इसलिए विद्यालय में ऐसी टीम भावना विकसित करना जरूरी है, जहां शिक्षक अपने विचार साझा करें, एक-दूसरे से सीखें और विद्यार्थियों के हित में मिलकर काम करें।

विद्यार्थी प्रिंसिपल को विद्यालय के एक आदर्श के रूप में भी देखते हैं। उसका व्यवहार ही कई बार उनके लिए नेतृत्व का पहला उदाहरण बन जाता है। धैर्यपूर्वक सुनना, निष्पक्ष व्यवहार करना और विद्यार्थियों के लिए सहज उपलब्ध रहना विद्यालय में विश्वास पैदा करता है। कभी किसी संघर्षरत विद्यार्थी को कहे गए प्रोत्साहन के कुछ शब्द उसके भीतर नई ऊर्जा पैदा कर सकते हैं।

आज प्रिंसिपल की चुनौतियां भी बदल गई हैं। तकनीक, सामाजिक माध्यम, बदलती पारिवारिक परिस्थितियां, प्रतिस्पर्धा, मानसिक दबाव और तेजी से बदलते रोजगार के अवसरों ने शिक्षा का वातावरण बदल दिया है। ऐसे में विद्यालय नेतृत्व को भी समय के साथ बदलना होगा। संवेदनशीलता और विद्यार्थियों की बदलती जरूरतों को समझने की क्षमता अब नेतृत्व का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

विद्यालय की संस्कृति बड़े भाषणों से नहीं, बल्कि रोजमर्रा के व्यवहार से बनती है। विद्यार्थियों के साथ कैसा व्यवहार होता है, गलतियों को कैसे देखा जाता है, अलग विचारों का कितना सम्मान होता है और सहयोग तथा करुणा को कितना महत्व दिया जाता है–इन सबका प्रभाव विद्यार्थियों के व्यक्तित्व पर पड़ता है।

प्रिंसिपल विद्यालय और अभिभावकों के बीच भी एक महत्वपूर्ण सेतु है। खुला संवाद, सामुदायिक सहभागिता, पर्यावरण जागरूकता, सांस्कृतिक गतिविधियां और सामाजिक सेवा विद्यार्थियों को जिम्मेदार नागरिक बनने की दिशा दे सकती हैं।

प्रान्तीय कार्यालय : 76 शबरी कॉम्पलेक्स, एम.पी. नगर जोन-2 भोपाल, फोन : 0755-2579530
प्रान्तीय ब्यूरो प्रमुख : एल.एन. तवर, 9827781209
प्रान्तीय ब्यूरो : डॉ. जानकी अहिरवार 9406580345
Email:shramsadhnagwl@gmail.com

औचक निरीक्षण कर जब्त किए 16 घरेलू गैस सिलेंडर

अवैध रूप से भंडारित सिलेंडरों के मामले में आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज

ग्वालियर, जीएनएस। जिले में रसोई गैस के दुरुपयोग को रोकने के लिये कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान के निर्देश पर खाद्य विभाग द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इस कड़ी में खाद्य विभाग के अधिकारियों ने शुक्रवार को ग्राम बेरजा, जनपद पंचायत मुरार स्थित विनायक गैस रिपेयरिंग दुकान का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान दुकान परिसर से बड़ी संख्या में घरेलू गैस सिलेंडर अनधिकृत रूप से भंडारित पाए गए।

निरीक्षण के दौरान ग्राम बेरजा स्थित जितेन्द्र पाल की दुकान से बीपीसीएल कंपनी के 13 भरे हुए 14.2 किलोग्राम क्षमता के घरेलू गैस सिलेंडर, बीपीसीएल कंपनी के 2 खाली 14.2 किलोग्राम क्षमता के सिलेंडर तथा एचपीसीएल कंपनी का 1 खाली 14.2 किलोग्राम क्षमता का सिलेंडर मिला। इस प्रकार कुल 16 घरेलू गैस सिलेंडर मौके पर अनधिकृत रूप से भंडारित पाए गए। जिला आपूर्ति नियंत्रक श्री अरविंद सिंह भदौरिया ने बताया कि इन सिलेंडरों को जितेन्द्र पाल के आधिपत्य से जब्त कर राजा गैस एजेंसी की सुपुर्दगी में यथास्थिति रखे जाने के लिए दिया है। अनियमितता पाए जाने पर जितेन्द्र पाल के विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 की धारा 3/7 के तहत प्रकरण तैयार कर कलेक्टर के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है। खाद्य विभाग की इस कार्रवाई में जिला आपूर्ति नियंत्रक अरविन्द सिंह भदौरिया, सहायक आपूर्ति अधिकारी महावीर सिंह राठौर एवं सहायक आपूर्ति अधिकारी संजीव शर्मा शामिल रहे।

विभागीय जांच में आरोप सिद्ध होने पर उप पंजीयक वर्मा दीर्घ शास्ति से दंडित

ग्वालियर, जीएनएस। उप पंजीयक के.एन. वर्मा के विरुद्ध विभागीय जांच में लगाए गए सभी आरोप सिद्ध पाए जाने पर दंडात्मक कार्रवाई की गई है। राज्य शासन के महानिरीक्षक पंजीयन एवं अधीक्षक मुद्रांक ने मध्यप्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम, 1966 के नियम 10(पाँच) के तहत श्री वर्मा का वेतनमान एक वर्ष की अवधि के लिए दो प्रक्रम (स्टेज) नीचे करने की शास्ति अधिरोपित की है।

विभागीय जांच में अपठनीय एवं त्रुटिपूर्ण खसरा-ऋणपुस्तिका के आधार पर नियम विरुद्ध पंजीयन करने, क्षेत्राधिकार का उल्लंघन कर अन्य वृत्त एवं डबरा क्षेत्र के दस्तावेजों का पंजीयन करने तथा दस्तावेज पंजीयन के एवज में रिश्वत की मांग करने और पक्षकारों को प्रताड़ित करने संबंधी आरोप प्रमाणित पाए गए। इसके साथ ही शिकायतकर्ता पर दबाव डालकर आवेदन लिखवाने तथा विभाग को गुमराह करने के प्रयास का आरोप भी सिद्ध हुआ। वर्ष 2024 में कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने शिकायतें मिलने पर उप पंजीयक वर्मा की विभागीय जाँच करने के निर्देश दिए थे.उप महानिरीक्षक पंजीयन, ग्वालियर द्वारा की गई विभागीय जांच के प्रतिवेदन और संबंधित अधिकारी के अभ्यावेदन के परीक्षण के बाद विभाग द्वारा यह दंडात्मक आदेश जारी किया गया है।

ब्रिक्स सम्मेलन के पश्चात उत्तर प्रदेश के पर्यटन में नई संभावनाओं पर वाराणसी में हुआ सार्थक मंथन

वाराणसी, जीएनएस। सारनाथ स्थित होटल आम बाग में ग्लोबल एसोसिएशन ऑफ़ इवेंट्स × हॉस्पिटलिटी प्रोफेशनल्स (जीएइएचपी) उत्तर प्रदेश चैप्टर के तत्वावधान में एक विशेष हाई टी एवं टूरिज्म इंडस्ट्री इंटरक्शन प्रोग्राम का सफल आयोजन किया गया 7 कार्यक्रम में ब्रिक्स सम्मेलन के पश्चात उत्तर प्रदेश के पर्यटन पर प्रभाव उभरते अवसर, चुनौतियाँ एवं भविष्य की दिशा विषय पर पर्यटन एवं आतिथ्य क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों ने विचार विमर्श किया 7 कार्यक्रम के गेस्ट ऑफ़ ऑनर अमित गुप्ता असिस्टेंट डायरेक्टर इंडिया टूरिज्म वाराणसी रहे उन्होंने ब्रिक्स जैसे अंतराष्ट्रीय मंचों से भारत तथा विशेष रूप से उत्तर प्रदेश के पर्यटन क्षेत्र को मिलने वाली संभावनाओं पर अपने विचार साझा किए 7 उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय आयोजनों के माध्यम से भारत की सांस्कृतिक, आध्यात्मिक एवं विरासत पर्यटन क्षमता को वैश्विक स्तर पर और अधिक प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने के अवसर बढ़े हैं ।

कार्यक्रम में गैप उत्तर प्रदेश चैप्टर के चैप्टर चेयरमैन डीएन सिंह ने कहा कि वाराणसी,अयोध्या,प्रयागराज,मथुरा-वृंदा वन,आगरा एवं अन्य प्रमुख पर्यटन स्थलों की समृद्ध आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत को अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों तक पहुंचाने के लिए पर्यटन उद्योग,होटल, ट्रैवल ट्रेड,इवेंट एवं सरकारी संस्थाओं के बीच बेहतर समन्वय आवश्यक है 7 उन्होंने कहा कि ब्रिक्स जैसे अंतराष्ट्रीय आयोजनों से उत्पन्न रुचि को उत्तर प्रदेश के पर्यटन उत्पादों में परिवर्तित करने के लिए उद्योग को मिलकर ठोस रणनीति तैयार करनी चाहिए 7 उन्होंने विशेष रूप से माइस् टूरिज्म,स्पिरिचुअल टूरिज्म, कल्चरल टूरिज्म,लक्ज़री टूरिज्म तथा डेस्टिनेशन वेडिंग्स जैसे क्षेत्रों में उत्तर प्रदेश की संभावनाओं पर जोर दिया। कार्यक्रम का संचालन जीएइएचपी उत्तर प्रदेश चैप्टर के सेकेटरी अवनीश कांत पाठक ने किया 7 कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों एवं सदस्यों का स्वागत उदय सिंह द्वारा किया गया 7 इस अवसर पर पर्यटन एवं आतिथ्य क्षेत्र से जुड़े सुशील कुमार सिंह,राजीव सिंह,शांतनु सिंह, डाक्टर अजय सिंह,जितेंद्र सिंह,मिस केसी सिंह,मुकुल दुबे,कुबेर भारद्वाज,अनुप प्रसाद,कुणाल सोलंकी,शाहाब आलम, अभिषेक पाठक,सुधांशु सक्सेना,गौतम पाण्डेय,अभिजीत रॉय,अश्वनी सिंह एवं बिनीत कुमार मिश्रा आदि।

वेब सीरीज फिल्म आंखें का मुहूर्त मध्य प्रदेश सीहोर के रमणीय स्थल पर

सीहोर, जीएनएस। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के पास स्थित सीहोर को पर्यटक स्थल और मध्य भारत के शहीदों की भूमि और अध्यात्म का केंद्र एवं कई ऋषियों मुनियों और सिद्ध पुरुषों की कर्मभूमि माना जाता है ।इस सीहोर में दो फिल्मों की शूटिंग होने जा रही हैं । फिल्म के निर्देशक मनोज जायसवाल ने बताया सीहोर की सुंदर रमणीय पावन प्राकृतिक स्थल इमारतों को देखकर लोकेशन तय की और लोकेशन को देखकर शूटिंग करने का निर्णय लिया। वेब सीरीज फिल्म आंखें का दिनांक 22/9/26 को

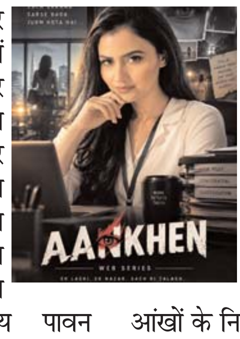

सीहोर में मुहूर्त होगा ।मुहूर्त के बाद फिल्म की शूटिंग लगातार होगी सीहोर के अलावा मुम्बई और इंदौर भोपाल ग्वालियर उज्जैन में भी फिल्म की शूटिंग प्रारंभ होगी। वेब सीरीज फिल्म आंखों के निर्देश मनोज जायसवाल निर्माता निलेश कुमार यादव क्रिएटिव डायरेक्टर आलम खान पठान है तथा लेखक-दिलशाद शामली,डी, ओ ,पी ,अमन कुमार है और फिल्म के एसोसिएट डायरेक्टर प्रतिभा श्रीवास्तव है फिल्म में संगीत बाबा जागीरदार करण शुक्ला ने दिया है। कार्यकारी निर्माता आर्या जयसवाल कला निर्देशक मुन्नालाल जयसवाल है इस वेब सीरीज फिल्म आंखें के मुख्य कलाकार अंशिका वर्मा ,प्रवीण जाधव ,सोनम पटेल ,नीरू पाठक, समर सिंह यादव वंशी, विनोद जायसवाल, बेबी गरिमा पटेल, सविता चौहान ,हीनाशर्मा है।

जिले के युवाओं को सुरक्षा कर्मियों की नौकरी दिलाने लगेंगे पंजीयन शिविर

ग्वालियर। जिले के सभी विकासखंडों में युवाओं को सुरक्षाकर्मी की नौकरी दिलाने के सिलसिले में विशेष पंजीयन शिविर लगने जा रहे हैं। जिला पंचायत ग्वालियर द्वारा इन पंजीयन शिविरों की तिथियां निर्धारित की गई हैं। जिला पंचायत के सहयोग से एसआईएस लिमिटेड सिंगरोली द्वारा यह शिविर लगाए जायेंगे। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सोजान सिंह रावत द्वारा इन शिविरों के लिये प्रभारी अधिकारियों की नियुक्ति भी की गई है।

मोदी जन्मदिवस पर यमुना तट एवं मंदिरो तथा घरों में जलते हुए दीपक से कालपी नगरी जगमगाई

जालौन, जीएनएस। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जन्मदिवस के उपलक्ष्य में गुरुवार की देर शाम यमुना मईया तट पर तथा नगर के यमुना तट समीप मंदिरों में एवं हिंदू समाज के प्रत्येक घरों में दीपक जलाकर बड़े धूमधाम से दिवस मनाया साथ में देश के लाल जियो हजारों वर्ष की ईश्वर से कामना की हिंदुस्तान एवं भारत देश प्रधानमंत्री मोदी जन्म दिवस उपलक्ष्य में राजघाट स्थित बिहारी मंदिर के समीप यमुना तट पर नगर पालिका परिषद कालपी अध्यक्ष अरविंद यादव एवं पालिका आर आई अजीत सिंह यादव लिपिक शिशुपाल सिंह उर्फ पप्पी यादव सरफराज खान बाबा शिवकुमार यादव शरद तिवारी रविंद्र यादव आशीष यादव राजेंद्र पोरवाल आदि दर्जनों लोगों ने यमुना तट पर दीपक जलाकर यमुना मईया को नमन किया तथा दिवस पर खुशी मनाएं इसी क्रम में विधायक विनोद चतुर्वेदी विधायक पुत्र प्रतिनिधि आशीष उर्फ आशु चतुर्वेदी शशिकांत सिंह उर्फ कल्लू ठाकुर मनोज चतुर्वेदी बाबू सिंह पूर्व सभासद राजेश द्विवेदी संजीव उपाध्याय कैलाश बाजपेई कन्हैया मिश्रा रमेश मिश्रा प्रधान पवन निषाद आदि दर्शनों ने दीपक जलाकर जन्म दिवस पर जमकर खुशी मनाते उन्हें दीर्घायु होने की ईश्वर से कामना की इसी प्रकार पीला घाट एवं ढोढ़ेश्वर मंदिर पातालेश्वर मंदिर बनखंडी मंदिर महादेव मंदिर आदि मंदिरों में तथा राम चबूतरा मिर्जा मंडी सदर बाजार अदल सराय राजघाट भट्ठीपुरा हरीगंज महमूदपुरा रावगंज रामगंज आलमपुर इंदिरा नगर कागजीपुरा टरननगंज नई बस्ती राम चबूतरा राजेपुरा सदर बाजार होगा सदर बाजार आदि मोहल्ले प्रत्येक घर में परिवार मुखिया के निर्देश पर दरवाजे के समक्ष दर्जनों दीपक जलाकर मोदी जन्म दिवस बड़े धूमधाम से मनाया वही लंबी उम्र दीर्घायु होने की ईश्वर से की कामना।

शिक्षक महासभा के मंडलीय अधिवेशन एवं शैक्षिक संगोष्ठी में शिक्षकों की समस्याओं पर मंथन,आरक्षण सहित विभिन्न मांगें उठीं

वाराणसी, जीएनएस। अनुसूचित जाति,जनजाति, पिछड़ा एवं अल्पसंख्यक शिक्षक महासभा,उत्तर प्रदेश के वाराणसी मंडल का दो दिवसीय मंडलीय अधिवेशन एवं शैक्षिक संगोष्ठी का शुभारंभ 18 सितंबर 2026 को कमिश्नरी सभागार वाराणसी में हुआ 7 कार्यक्रम का शुभारंभ पूज्य भिक्षुसंघ द्वारा तथागत बुद्ध एवं बोधिसत्व बाबा साहेब डॉ.भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पुष्प अर्पित कर किया गया 7 अधिवेशन की अध्यक्षता करते हुए प्रदेश संरक्षक श्रद्धेय श्याम अवध प्रसाद ने कहा कि शिक्षक ही किसी देश के भविष्य का निर्माता होता है 7 लेकिन जब शिक्षक स्वयं असुरक्षित रहेगा तो वह बेहतर भविष्य का निर्माण नहीं कर सकता 7 इसलिए शिक्षकों की सेवा सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाना आवश्यक है ।

मुख्य अतिथि पद्मभूषण डॉ.पंकज सिंह ने कहा कि शिक्षक एवं शिक्षा व्यवस्था देश के सर्वांगीण विकास की दिशा में दूरगामी परिणाम देने वाली होनी चाहिए 7 मुख्य वक्ता प्रो.विकास गुप्ता ने भारत की गौरवशाली शिक्षा परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि प्राचीन भारत के विश्वविद्यालयों में विभिन्न देशों से विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण करने आते थे आज फिर ऐसी शिक्षा व्यवस्था विकसित करने की

आवश्यकता है जिससे भारत पूरे विश्व को ज्ञान के प्रकाश से प्रकाशित कर सके।

प्रधानाचार्य पदों पर आरक्षण लागू करने की मांग

मुख्य वक्ता प्रदेश महामंत्री बृजेश कुमार भारतीय ने सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में प्रधानाचार्य एवं प्रधानाध्यापक के कुल 4512 पदों पर आरक्षण का प्रावधान नहीं होने का मुद्दा उठाया 7 उन्होंने कहा कि इसके कारण अनुसूचित जाति, जनजाति,पिछड़ा वर्ग एवं ईडब्ल्यूएस वर्ग का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित नहीं हो पा रहा है 7 उन्होंने उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग अधिनियम-2023 में संशोधन कर प्रधानाचार्य पदों पर आरक्षण का प्रावधान किए जाने की मांग की 7 विशिष्ट अतिथि सह जिला विद्यालय निरीक्षक श्रद्धेय अरविंद कुमार ने कहा कि शिक्षा व्यवस्था को सुचारु रूप से संचालित करने के लिए वह सदैव शिक्षकों के साथ खड़े हैं।

कार्यकारी अध्यक्ष डॉ.छोटेलाल ने कहा कि सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों का चयन उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग द्वारा किया जा रहा है 7 ऐसी स्थिति में प्रबंधक को नियुक्ता बनाए रखना शिक्षकों के शोषण एवं अन्याय का अधिकार देने जैसा है उन्होंने प्रबंधक के नियुक्ता पद को समाप्त करने की मांग की ।

प्रदेश कोषाध्यक्ष जयपाल शास्त्री ने सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में शिक्षकों की उपस्थिति एवं अवकाश की तरह वरिष्ठता सूची,पदोन्नति,वेतनवृद्धि, चयन वेतनमान एवं पदोन्नति वेतनमान का निर्धारण ऑनलाइन किए जाने की मांग रखी। प्रदेश संगठन मंत्री श्रद्धेय सुनील कुमार प्रसाद ने संस्कृत विद्यालयों एवं आउटसोर्सिंग में भी अनुसूचित जाति, जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षण लागू किए जाने की मांग की। मंडल कोषाध्यक्ष जयप्रकाश ने कहा कि जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा पदोन्नति के बाद अलग-अलग तिथियों में पदोन्नति आदेश जारी किए जाने से वरिष्ठ शिक्षकों की वरिष्ठता प्रभावित होती है।

‘आशीर्वाद का दीया’ आयोजन में सरकारी संसाधनों के इस्तेमाल, खर्च की पारदर्शिता और राजनीतिक श्रेय पर उठे सवाल

दीप सरकारी, तेल सरकारी... फिर रोशनी का श्रेय किसके नाम?

डॉ. एल.एन. वैष्णव

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर 17 सितंबर को मध्यप्रदेश सहित देश के विभिन्न हिस्सों में ‘आशीर्वाद का दीया’ कार्यक्रम आयोजित किया गया। मध्यप्रदेश सरकार के अनुसार यह आयोजन ‘सेवा संकल्प अभियान’ के तहत किया गया और प्रदेशभर में 58 लाख दीप प्रज्वलित किए गए। कार्यक्रम को जनभागीदारी, सेवा भावना और प्रधानमंत्री के 25 वर्ष के सार्वजनिक जीवन के प्रति आभार से जोड़ा गया।

दीपों की रोशनी ने शहरों, गांवों, घाटों और सार्वजनिक स्थलों को जगमगाया। लेकिन आयोजन की भव्यता के साथ कुछ सवाल भी सामने आए हैं–इन आयोजनों पर कितना खर्च हुआ? दीप, तेल, बाती और अन्य सामग्री की व्यवस्था किस स्तर से हुई? सरकारी अमले की इसमें कितनी भूमिका रही और आयोजन की सफलता का श्रेय किसे दिया जाएगा?

रोशनी के साथ खर्च का हिसाब भी जरूरी : कार्यक्रम में बड़ी संख्या में दीप जलाए गए। ऐसे में प्रदेश और जिलेवार यह जानकारी सामने आना महत्वपूर्ण है कि कितने दीप खरीदे गए, किस दर पर खरीदे गए और तेल, बाती, माचिस, सजावट, परिवहन तथा अन्य व्यवस्थाओं पर कितनी राशि खर्च हुई।

यदि इन सामग्रियों की व्यवस्था सरकारी विभागों अथवा स्थानीय निकायों के माध्यम से की गई, तो खरीद और भुगतान का विवरण सार्वजनिक होना चाहिए। प्रत्येक जिले और नगरीय निकाय के स्तर पर खर्च का अलग-अलग ब्योरा सामने आने से यह स्पष्ट हो सकेगा कि जनभागीदारी के इस आयोजन में सार्वजनिक संसाधनों का कितना उपयोग हुआ।

यह सवाल किसी आयोजन के औचित्य से अधिक सार्वजनिक धन की पारदर्शिता से जुड़ा है। जनभागीदारी में नागरिक अपनी इच्छा से संसाधन लगाते हैं, लेकिन सरकारी संसाधन लगाए जाने पर उनके उपयोग और खर्च का लेखा-जोखा भी सार्वजनिक होना चाहिए।

चाणक्य के दो दीपकों का दृष्टांत : आचार्य चाणक्य से जुड़ा दो दीपकों का एक लोकप्रिय नैतिक दृष्टांत इस बहस को समझने का आधार देता है। कथा के अनुसार चाणक्य ने राष्ट के काम के लिए जल रहे दीपक को निजी बातचीत के समय बुझाकर निजी दीपक जला दिया था। यह प्रसंग प्रमाणित ऐतिहासिक घटना के बजाय एक प्रचलित नैतिक दृष्टांत है।

इसकी सीख यही मानी जाती है कि सार्वजनिक और निजी संसाधनों के बीच स्पष्ट अंतर और जवाबदेही होनी चाहिए।

आज जब सरकारी विभाग किसी बड़े आयोजन में सामग्री जुटाते हैं और अधिकारी-कर्मचारी व्यवस्थाओं में लगाए जाते हैं, तब यह सवाल स्वाभाविक है कि प्रशासनिक और राजनीतिक भूमिकाओं की सीमा कितनी स्पष्ट थी।

पंचायत सचिवों की जेब पर खर्च का सवाल : कार्यक्रम से संबंधित कुछ रिपोर्टों में पंचायत सचिवों द्वारा अपनी जेब से खर्च किए जाने की बात भी सामने आई है। यदि किसी कर्मचारी ने सरकारी कार्यक्रम की व्यवस्था के लिए निजी धन खर्च किया है, तो यह स्पष्ट होना चाहिए कि ऐसा किस आदेश के तहत हुआ और उसकी प्रतिपूर्ति की व्यवस्था क्या है।

क्या संबंधित कर्मचारियों को अग्रिम राशि दी गई थी? क्या उन्हें निजी स्तर पर सामग्री खरीदने के निर्देश दिए गए थे? यदि उन्होंने अपनी जेब से खर्च किया तो उसका लिखित रिकॉर्ड क्या है और भुगतान कब होगा?

एक कर्मचारी का खर्च भले ही सीमित राशि का हो, लेकिन यदि ऐसी स्थिति अनेक पंचायतों में बनी हो तो कुल वित्तीय भार का प्रश्न महत्वपूर्ण हो जाता है।

कार्यक्रम के बाद बची सामग्री किसकी? : कार्यक्रम के बाद कुछ स्थानों से दीपों में बचा तेल एकत्र किए जाने के दृश्य सामने आने की बात कही गई है। इन दृश्यों की स्वतंत्र पुष्टि और संबंधित व्यक्तियों की पहचान अलग से आवश्यक है। हालांकि, यदि तेल सरकारी धन से खरीदा गया था तो कार्यक्रम के बाद बची सामग्री के स्वामित्व और उसके निस्तारण की प्रक्रिया स्पष्ट होना जरूरी है।

क्या बचा हुआ तेल वापस संबंधित विभाग को जमा किया जाना था? क्या उसकी मात्रा का रिकॉर्ड तैयार किया गया? क्या किसी व्यक्ति अथवा कर्मचारी को उसे एकत्र करने की अनुमति थी?

इन सवालों का जवाब संबंधित विभागों के अभिलेखों और अधिकृत बयानों से ही स्पष्ट हो सकता है।

जनसुविधा और आयोजन का संतुलन : बड़े आयोजन सार्वजनिक स्थलों, सड़कों, बाजारों और घाटों पर किए जाते हैं तो यातायात, सुरक्षा, सफाई और स्थानीय नागरिकों की सुविधा भी महत्वपूर्ण हो जाती है। ऐसे आयोजनों के लिए वैकल्पिक मार्ग, यातायात व्यवस्था और कार्यक्रम के बाद सफाई की पर्याप्त व्यवस्था होना जरूरी है।

दीपों के बाद बचा तेल, बाती और अन्य सामग्री यदि सार्वजनिक स्थानों पर रह जाती है तो उससे गंदगी और फिसलन की समस्या भी पैदा हो सकती है। इसलिए आयोजन की सफलता का आकलन केवल दीपों की संख्या से नहीं, बल्कि आयोजन के बाद की व्यवस्था से भी किया जाना चाहिए।

‘सेवा संकल्प’ की कसौटी क्या हो? : ‘सेवा संकल्प अभियान’ को जनसेवा, जनभागीदारी और सरकारी योजनाओं के लाभ से जोड़कर प्रस्तुत किया गया है। ऐसे में यह सवाल भी महत्वपूर्ण है कि अभियान की सफलता का मूल्यांकन केवल आयोजनों और प्रचार से होगा या वास्तविक लाभार्थियों तक पहुंची सेवाओं से भी।

क्या पात्र लोगों को आवास, पेयजल, पेंशन, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी योजनाओं का लाभ समय पर मिल रहा है? कितनी समस्याओं का समाधान हुआ? कितने लाभार्थियों को योजनाओं का वास्तविक लाभ मिला? अभियान पर कितना खर्च हुआ?

यदि इन सवालों के आंकड़े सार्वजनिक किए जाते हैं तो ‘सेवा संकल्प’ की वास्तविक तस्वीर अधिक स्पष्ट होकर सामने आएगी।

सवाल जिनके जवाब जरूरी

‘आशीर्वाद का दीया’ कार्यक्रम पर कुल कितना सार्वजनिक धन खर्च हुआ?

प्रदेश और जिलेवार कितने दीप जलाए गए और उनकी खरीद लागत कितनी रही?

तेल, बाती, माचिस, सजावट और परिवहन की व्यवस्था किस विभाग ने की?

खरीद और भुगतान की प्रक्रिया का विवरण सार्वजनिक होगा या नहीं?

क्या पंचायत सचिवों या अन्य कर्मचारियों ने निजी धन खर्च किया?

शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं, रोजगार और युवाओं के भविष्य से जुड़े सवालों पर अब राजनीतिक शोर से आगे गंभीर संवाद की जरूरत

देश में छात्रों को ‘गूंज’ की जरूरत क्यों पड़ी?

हरिहर सिंह चौहान, इंदौर

भारत का भविष्य आज की युवा पीढ़ी के सपनों और उसकी संभावनाओं से जुड़ा है। ऐसे में जब पढ़े-लिखे युवा शिक्षा पूरी करने के बाद रोजगार की तलाश में भटकते हैं, प्रतियोगी परीक्षाओं में अनियमितताओं और प्रश्नपत्र लीक जैसी घटनाओं के सवाल उठते हैं तथा शिक्षा लगातार महंगी होती जाती है, तो यह विचार करना जरूरी हो जाता है कि आखिर देश के छात्रों को अपनी बात कहने के लिए किसी अलग मंच या ‘गूंज’ की आवश्यकता क्यों महसूस हो रही है?

‘छात्रों की गूंज’ अभियान को कांग्रेस ने शिक्षा व्यवस्था की समस्याओं, परीक्षा संबंधी अनियमितताओं, रोजगार और युवाओं की चिंताओं से जोड़कर शुरू किया है। कांग्रेस के अनुसार अभियान का उद्देश्य छात्रों की आवाज को एक मंच देना है। इंदौर में 19 सितंबर को आयोजित कार्यक्रम में भी शिक्षा, रोजगार, प्रतियोगी परीक्षाओं और प्रश्नपत्र लीक जैसे मुद्दों पर छात्रों से संवाद को केंद्र में रखा गया।

लेकिन इस पूरे घटनाक्रम को केवल राजनीतिक चश्मे से देखना शायद छात्रों के मूल सवालों से ध्यान हटाना होगा।

आखिर युवा अपनी बात कहने के लिए सड़क तक क्यों पहुंचता है?

आज का विद्यार्थी वर्षों तक पढ़ाई करता है। परिवार उसकी शिक्षा पर अपनी क्षमता के अनुसार खर्च करता है। युवा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में समय और पैसा लगाता है। इसके बाद यदि परीक्षा निरस्त हो जाए, प्रश्नपत्र लीक होने की खबर सामने आए या भर्ती प्रक्रिया लंबे समय तक अटक जाए, तो उसके सामने केवल एक परीक्षा की समस्या नहीं होती, बल्कि उसके भविष्य का प्रश्न खड़ा हो जाता है।

आरक्षण और अवसरों को लेकर भी युवाओं के बीच अलग-अलग मत हैं। इस विषय पर देश में लंबे समय से बहस होती रही है। इसलिए आवश्यक है कि इस बहस को आरोप-प्रत्यारोप से बाहर निकालकर अवसर, सामाजिक न्याय, योग्यता और संवैधानिक व्यवस्था के संदर्भ में तथ्यपरक तरीके से समझा जाए।

युवाओं की सबसे बड़ी चिंता यह होनी चाहिए कि शिक्षा पूरी करने के बाद उनके सामने रोजगार और सम्मानजनक जीवन के पर्याप्त अवसर हों।

राजनीति अपनी जगह, छात्रों के सवाल अपनी जगह

राजनीतिक दल युवाओं को अपने साथ जोड़ने का प्रयास करते हैं। सत्ता पक्ष अपनी नीतियों और योजनाओं को युवाओं तक पहुंचाता है तो विपक्ष सरकार से जुड़े सवालों को उठाता है। ‘छात्रों की गूंज’ भी कांग्रेस द्वारा चलाया जा रहा राजनीतिक अभियान है। कांग्रेस इसे शिक्षा व्यवस्था से जुड़े मुद्दों पर छात्रों की आवाज उठाने का माध्यम बता रही है।

वहीं, इस अभियान को लेकर भाजपा की ओर से भी राजनीतिक प्रतिक्रिया सामने आई है। इंदौर में कार्यक्रम से पहले ‘झूठ की गूंज’ जैसे पोस्टर लगाए जाने और उसे लेकर दोनों पक्षों की अलग-अलग प्रतिक्रियाएं सामने आईं।

ऐसे माहौल में सबसे जरूरी सवाल यह है कि राजनीतिक बहस के बीच छात्र कहां खड़ा है?

यदि कोई विद्यार्थी प्रश्नपत्र लीक, भर्ती में देरी, परीक्षा व्यवस्था, फीस या रोजगार की समस्या उठा रहा है, तो उसकी बात को केवल सत्ता या विपक्ष के चश्मे से देखने के बजाय समस्या के रूप में सुना जाना चाहिए।

सरकारों के सामने जवाबदेही का सवाल

केंद्र और राज्य सरकारें आत्मनिर्भर भारत, कौशल विकास, रोजगार और युवा सशक्तीकरण की बात करती रही हैं। इन नीतियों की सफलता का वास्तविक मूल्यांकन तब होगा, जब युवाओं को शिक्षा से रोजगार तक पहुंचने का रास्ता स्पष्ट और भरोसेमंद दिखाई दे।

युवा यह पूछने का अधिकार रखता है कि उसकी शिक्षा पर होने वाला खर्च उसके भविष्य में किस तरह बदल रहा है। वह यह भी पूछ सकता है कि भर्ती परीक्षाओं की प्रक्रिया कितनी पारदर्शी है, परिणाम आने में कितना समय लगता है और किसी परीक्षा में गड़बड़ी होने पर जिम्मेदारी किसकी तय होती है।

इन सवालों का जवाब राजनीतिक नारों से नहीं, बल्कि व्यवस्था में सुधार और स्पष्ट जवाबदेही से मिलना चाहिए।

राहुल गांधी का अभियान और उसके राजनीतिक मायने

राहुल गांधी ने ‘छात्रों की गूंज’ के माध्यम से छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों से शिक्षा व्यवस्था से जुड़े अपने अनुभव, समस्याएं और सुझाव साझा करने की अपील की है। कांग्रेस इसे देशव्यापी अभियान के रूप में आगे बढ़ा रही है और कोटा, प्रयागराज, पटना, दिल्ली सहित विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रमों का आयोजन कर चुकी है।

इसका राजनीतिक पहलू भी स्वाभाविक है, क्योंकि अभियान एक राजनीतिक दल के नेतृत्व में चल रहा है। इसलिए इसके उद्देश्यों और राजनीतिक प्रभाव को लेकर अलग-अलग मत हो सकते हैं। लेकिन इससे अलग छात्रों द्वारा उठाए जा रहे वास्तविक प्रश्नों पर विचार करना जरूरी है।

किसी राजनीतिक नेता के कार्यक्रम में छात्र अपनी समस्याएं रखते हैं तो उन समस्याओं का समाधान केवल राजनीतिक मंच से नहीं, बल्कि संबंधित सरकारों, परीक्षा संस्थाओं और प्रशासनिक व्यवस्था के स्तर पर होना चाहिए।

युवाओं को वादे नहीं, भरोसेमंद व्यवस्था चाहिए

शिक्षा महंगी हो रही है, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी पर परिवारों का खर्च बढ़ रहा है और रोजगार की तलाश में युवा लंबे समय तक इंतजार कर रहे हैं–ऐसे में केवल आश्वासन पर्याप्त नहीं हो सकते।

युवाओं को ऐसी व्यवस्था चाहिए जिसमें परीक्षा समय पर हो, प्रश्नपत्र की गोपनीयता बनी रहे, परिणाम निर्धारित समय में आएं, भर्ती प्रक्रिया पारदर्शी हो और किसी गड़बड़ी की स्थिति में जिम्मेदारी तय हो।

यदि कोई विद्यार्थी कई वर्षों की तैयारी के बाद परीक्षा देता है और फिर प्रक्रिया किसी कारण से रुक जाती है, तो उसका समय वापस नहीं आता। उसकी उम्र, अवसर और मानसिक दबाव भी उस प्रक्रिया का हिस्सा होते हैं। इसलिए परीक्षा और भर्ती व्यवस्था में देरी को केवल प्रशासनिक प्रक्रिया मानकर नहीं छोड़ा जा सकता।

‘गूंज’ को राजनीतिक शोर नहीं बनने देना होगा

युवाओं की आवाज लोकतंत्र में महत्वपूर्ण है। लेकिन यह आवाज तभी प्रभावी होगी, जब उसे राजनीतिक नारों से आगे ले जाकर नीतिगत बहस में बदला जाए। छात्रों की समस्याओं पर सत्ता पक्ष को जवाब देना चाहिए और विपक्ष को भी केवल राजनीतिक मुद्दा बनाने के बजाय ठोस समाधान की बहस सामने रखनी चाहिए। शिक्षा व्यवस्था में सुधार किसी एक दल की जिम्मेदारी नहीं हो सकती। यह सरकार, विपक्ष, शिक्षण संस्थानों, परीक्षा एजेंसियों, शिक्षकों, अभिभावकों और छात्रों–सभी से जुड़े प्रश्न हैं। आज देश के सामने यह सवाल है कि क्या हम युवाओं की आवाज तब सुनेंगे, जब वह आंदोलन का रूप ले ले, या उससे पहले ही उनकी समस्याओं को समझने की व्यवस्था बनाएंगे?

आने वाला समय युवाओं का है : भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी युवा आबादी को माना जाता है। लेकिन युवा शक्ति तभी देश की ताकत बनेगी, जब उसे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, समान अवसर, पारदर्शी परीक्षा व्यवस्था और रोजगार के पर्याप्त अवसर मिलें।

सुपावली में छठवें जिला स्तरीय शिविर का आयोजन, युवाओं को उद्यम और किसानों को आय बढ़ाने के बताए रास्ते

जन-विश्वास शिविर में 91 शिकायतों का निराकरण, 100 आवेदन आए

ग्वालियर जीएनएस। मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के तहत शुक्रवार को मुरार विकासखंड के ग्राम सुपावली में छठवें जिला स्तरीय जन-विश्वास शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में सीएम हेल्पलाइन की 91 शिकायतों का निराकरण किया गया, जबकि करीब 100 आवेदन सीधे प्राप्त हुए। इनमें से अधिकांश का मौके पर ही निराकरण किया गया। 38 आवेदनों को निराकरण के लिए सीएम हेल्पलाइन पोर्टल पर दर्ज किया गया।

शिविर में सांसद भारत सिंह कुशवाह ने किसानों से पारंपरिक खेती के साथ उद्यानिकी, उन्नत पशुपालन और खाद्य प्रसंस्करण अपनाकर आय बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि शासन की अनुदान आधारित योजनाओं का लाभ लेकर किसान अपनी आय बढ़ा सकते हैं। उन्होंने डॉ. भीमराव आंबेडकर कामधेनु योजना, आचार्य विद्यासागर योजना और उद्यानिकी विभाग की योजनाओं का लाभ लेने की अपील की।

कलेक्टर रुचिका चौहान, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सोजान सिंह रावत, एसडीएम मुरार नरेशचंद गुप्ता सहित विभिन्न विभागों के जिला और खंड स्तरीय अधिकारियों ने शिविर में पहुंचकर लोगों की समस्याओं का निराकरण किया। सामाजिक सुरक्षा पेंशन, दिव्यांग पेंशन और लाड़ली लक्ष्मी योजना के स्वीकृति पत्र वितरित किए गए। गर्भवती माताओं को पोषण आहार किट भी दी गई। स्वास्थ्य जांच, आधार और आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए अलग काउंटर लगाए गए। दिव्यांग प्रमाण-पत्र बनाने के लिए

चिकित्सा मंडल भी मौजूद रहा।

उद्यम संवाद में युवाओं ने साझा की सफलता

शिविर में उद्यमी संवाद भी आयोजित किया गया। ग्राम सौंसा निवासी रवि कुमार यादव ने बताया कि प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के तहत 8.75 लाख रुपए अनुदान सहित 25 लाख रुपए का ऋण लेकर उन्होंने तेल मिल स्थापित की। इससे 15 लोगों को रोजगार मिला और इकाई का वार्षिक कारोबार एक करोड़ रुपए तक पहुंच गया।

टिहौली निवासी दिव्यांग युवक आसीन अली ने मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना से चार लाख रुपए का ऋण लेकर पशु आहार की दुकान शुरू की। उन्होंने तीन लोगों को रोजगार दिया है। जनारपुरा निवासी धीर सिंह ने मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना से खानपान व्यवसाय शुरू किया, जिससे उन्हें करीब आठ लाख रुपए वार्षिक आय हो रही है। अन्य युवाओं ने भी विभिन्न योजनाओं से दुकान और व्यवसाय शुरू कर आत्मनिर्भरता की मिसाल प्रस्तुत की।

सोशल मीडिया से जनहित की योजनाओं को पहुंचाने पर जोर : इन्फ्लुएंसर संवाद में युवा इन्फ्लुएंसर प्रशांत पटेरिया ने कहा कि सामाजिक माध्यमों पर छोटी-छोटी रील के जरिए जनहितैषी योजनाओं की जानकारी जरूरतमंदों तक पहुंचाई जा सकती है। उन्होंने बताया कि वे ब्लॉग बनाने के साथ सार्वजनिक स्थानों की सफाई के लिए प्रतिदिन समय देते हैं। सुपावली के अन्य युवा भी संवाद में शामिल हुए।

स्कूलों की व्यवस्थाओं में सुधार के निर्देश : शिविर से पहले कलेक्टर रुचिका चौहान और जिला पंचायत सीईओ सोजान सिंह रावत ने सुपावली के आंगनबाड़ी केंद्र, प्राथमिक विद्यालय और हाईस्कूल का निरीक्षण किया। प्राथमिक विद्यालय में साफ-सफाई, भवन व छत की मरम्मत, विद्युत व्यवस्था और रंगाई-पुताई कराने के निर्देश दिए गए। हाईस्कूल में भी आवश्यक सुविधाएं जुटाने को कहा गया।

व्यवस्थाएं ठीक नहीं मिलने पर कलेक्टर ने दोनों विद्यालयों की संबंधित प्राचार्य और प्रभारी प्रधानाध्यापक को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। पंचायत सचिव और आंगनबाड़ी पर्यवेक्षक को भी नोटिस देने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान आंगनबाड़ी की नन्हीं बच्ची भूमि ने 'तितली उड़ी, बस पर चढ़ी' कविता सुनाकर अधिकारियों को प्रभावित किया। वहीं दिवांशी ने 'मछली जल की रानी है' कविता सुनाई।

कांग्रेस की प्रेसवार्ता में अवैध शराब और चोरी के मुद्दे उठे, भाजपा सरकार पर साधा निशाना

मप्र की भाजपा सरकार के संरक्षण में पिछोर को अवैध शराब विक्रय का बनाया जा रहा है ठिकाना : लोधी

शिवपुरी जीएनएस

जिला मुख्यालय स्थित कांग्रेस पार्टी कार्यालय पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष मोहित अग्रवाल के निर्देश में पूर्व विधानसभा प्रत्याशी पिछोर अरविंद सिंह लोधी एवं ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष पिछोर अनिल गुप्ता द्वारा संयुक्त प्रेसवार्ता आयोजित की गई। प्रेसवार्ता में प्रदेश की भाजपा सरकार पर विभिन्न जनहित के मुद्दों को लेकर निशाना साधा गया।

कांग्रेस नेता अरविंद सिंह लोधी ने प्रदेश सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि मप्र की भाजपा सरकार के संरक्षण में पिछोर को अवैध शराब विक्रय का ठिकाना बनाया जा रहा है, पिछोर विधानसभा क्षेत्र में लगातार हो रहे अवैध शराब के विक्रय को लेकर नाराजगी व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि क्षेत्र में अवैध शराब के खिलाफ महिलाएं स्वयं आगे आकर मोर्चा खोल रही हैं। प्रेसवार्ता में कांग्रेस नेता अरविंद सिंह लोधी ने आरोप लगाया कि अवैध शराब के खिलाफ आवाज उठाने वाली महिलाओं को डराया जा रहा है तथा उनके खिलाफ झूठे मामले दर्ज कर उन्हें प्रताड़ित किया जा रहा है। उन्होंने मांग की कि ऐसे मामलों की निष्पक्ष जांच कराई जाए और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। वहीं, क्षेत्र में बढ़ती चोरी की घटनाओं को लेकर भी कांग्रेस नेताओं ने चिंता जताई। उनका दावा है कि पिछले एक महीने में दुकानों, मंदिरों और घरों को निशाना बनाकर चोरी की कई घटनाएं हुई हैं, जिनमें करीब 20 लाख रुपये तक की संपत्ति चोरी होने की बात कही गई। इसके अलावा कांग्रेस नेता अरविंद सिंह लोधी ने स्थानीय विधायक प्रीतम लोधी पर अवैध शराब के विक्रय को संरक्षण देने का आरोप लगाया। उन्होंने प्रशासन से अवैध शराब के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई, चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने तथा महिलाओं के खिलाफ दर्ज मामलों की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की।

लायंस क्लब शिवपुरी साउथ द्वारा मनाया गया इंजिनियर्स दिवस, इंजीनियरों का किया सम्मान

शिवपुरी जीएनएस। समाजसेवी संस्था लायंस क्लब शिवपुरी साउथ द्वारा गत दिवस भारत रत्न मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया के अवसर पर इंजीनियर्स दिवस मनाया गया। इस दौरान संस्था के इंजीनियर साथियों का माल्यार्पण कर स्वागत सम्मान किया गया। कार्यक्रम में हॉं मंच संचालन मुख्य रूप से लायंस क्लब के सचिव सुनील बिसानी द्वार किया गया स्वागत भाषण संस्था अध्यक्ष रवि कुमार गोयल के द्वारा दिया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पीएमजेफ लायन इंजी. पवन जैन रहे जिन्होने अपने संबोधन में कहा कि इंजीनियर अपनी सोच, तकनीक और इनोवेशन से हरेक क्षेत्र में अपनी अलग पहचान रखता है और यही कार्य उसे सफलता के शिखर पर पहुंचाने का कार्य करते है। कार्यक्रम के दौरान संस्था के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले इंजीनियर्स का उनके योगदान का उल्लेख करते हुए सम्मान किया गया।

पोहरी पुलिस ने फरार आरोपी को श्योपुर

दुकान का शटर तोड़कर ढाई लाख की चोरी, आरोपी गिरफ्तार

शिवपुरी जीएनएस

पोहरी में दुकान का शटर निकालकर गल्ले में रखे ढाई लाख रुपए चोरी करने के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से 12,500 रुपए नकद बरामद किए हैं।

पुलिस के अनुसार 24 अगस्त को अशोक कुमार गुप्ता निवासी मैन चौराहा, किला रोड पोहरी ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि अज्ञात चोर दुकान का शटर निकालकर गल्ले में रखे 2 लाख 50 हजार रुपए चोरी कर ले गए। शिकायत पर थाना पोहरी में अपराध क्रमांक 252/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 331(3), 305(ए) में मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक यांगचेन डोलकर भूटिया, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आर.डी. प्रजापति एवं एसडीओपी पोहरी आनंद राय के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी निरीक्षक रवि चौहान ने मुखबिर तंत्र सक्रिय किया। साइबर सेल की मदद से आरोपी और चोरी गए रुपयों की तलाश के लिए पुलिस टीम गठित की गई।

इसी दौरान मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने फरार आरोपी बबलू उर्फ बाबा पुत्र मुन्ना गोस्वामी, उम्र 35 वर्ष, निवासी भगवती कॉलोनी पोहरी को जेल के पास श्योपुर रोड से गिरफ्तार कर लिया। उसके कब्जे से 12,500 रुपए नकद बरामद किए गए। आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया। कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक रवि चौहान, उपनिरीक्षक वीरेंद्र परिहार, प्रधान आरक्षक प्रमोद सेन, आरक्षक मांगीलाल गुर्जर, रामनाथ रावत एवं मुनेश धाकड़ की भूमिका रही।

30 दिन-30 कार्यशालाएं अभियान की 18वीं कार्यशाला आईटीआई में हुई, स्वयं में बदलाव के लिए किया प्रेरित

अल्पविराम ने सिखाया-समस्या से भागें नहीं, समाधान की पहल खुद करें

शिवपुरी जीएनएस

आनंद विभाग जिला शिवपुरी द्वारा सितंबर माह में आयोजित 30 दिन-30 कार्यशालाएं अभियान के तहत 18वीं कार्यशाला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) शिवपुरी में आयोजित की गई। कार्यशाला में प्रतिभागियों को अल्पविराम के माध्यम से स्वयं को समझने, जीवन की समस्याओं पर विचार करने और सकारात्मक बदलाव की दिशा में स्वयं पहल करने के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यशाला का शुभारंभ आईटीआई के संस्था प्राचार्य हेमंत दंडौतिया एवं आनंद विभाग के जिला संपर्क व्यक्ति अभय कुमार जैन की उपस्थिति में 'दयाकर दान विद्या का' प्रार्थना के साथ हुआ। इसके बाद राजेश पटेल ने आनंद संस्थान का परिचय देते हुए उसकी अवधारणा एवं उद्देश्यों से प्रतिभागियों को अवगत कराया।

प्रथम सत्र में मास्टर ट्रेनर साकेत पुरोहित ने 'समस्या और समाधान' विषय पर अल्पविराम कराया। उन्होंने प्रतिभागियों को अपनी समस्याओं को समझने के साथ यह विचार करने के लिए प्रेरित किया कि समस्या के समाधान की जिम्मेदारी किसकी है। उन्होंने कहा कि परिस्थितियों में बदलाव की शुरुआत दूसरों से अपेक्षा करने के बजाय स्वयं से पहल करने और अपने भीतर झांकने से होती है।

कार्यशाला में प्रतिभागियों ने अपनी कमियों और बुराइयों को पहचानने तथा नियमित अभ्यास के माध्यम से उनमें बदलाव लाने की प्रक्रिया को समझा। इस दौरान उन्हें स्वयं के व्यवहार और सोच पर विचार करने का अवसर मिला।

समापन सत्र में तीन दिवसीय अल्पविराम कार्यशाला के माध्यम से अपने जीवन में आए बदलावों के अनुभव राजीव पुरोहित, नमित मिश्रा, अजय भार्गव एवं नितिन भार्गव ने साझा किए। उनके अनुभवों से प्रतिभागियों को यह समझने का अवसर मिला कि स्वयं के साथ कुछ समय रुककर संवाद करना जीवन में सकारात्मक परिवर्तन की शुरुआत बन सकता है।

दस लक्षण पर्व पर जिनेन्द्र भगवान की आराधना

आर्जव धर्म की आराधना से भक्तिमय हुआ शांतिनाथ दिगंबर जैन लाल मंदिर

ग्वालियर, जीएनएस। दशलक्षण महापर्व के तीसरे दिन फालका बाजार स्थित श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन लाल मंदिर में धार्मिक भक्ति एवं आराधना का वातावरण रहा। भगवान शांतिनाथ स्वामी की आराधना करते हुए श्रद्धालुओं ने उनके चरणों में अर्घ्य समर्पित किए तथा उत्तम आर्जव धर्म की विधि-विधानपूर्वक पूजा-अर्चना की।

मंदिर कमेटी के अध्यक्ष कुशलचंद जैन ने बताया कि इस अवसर पर भगवान महावीर स्वामी को समवशरण में विराजमान कर इंद्रों द्वारा भगवान का अभिषेक किया गया। भगवान की शांतिधारा ललित जैन भारती, प्रशांत जैन, विजय जैन, पारस जैन, रामकुमार जैन एवं विक्रम जैन ने की।

प्रमोद कुमार जैन के मार्गदर्शन में दशलक्षण विधान की पूजा-अर्चना संपन्न हुई। उपस्थित श्रद्धालुओं ने उत्तम आर्जव धर्म की भावना को आत्मसात करते हुए भगवान के चरणों में अर्घ्य समर्पित किए। आर्जव धर्म के माध्यम से सरलता, निष्कपटता और मन-वचन-काय की एकरूपता का संदेश दिया गया।

धार्मिक आयोजन के दौरान फालका बाजार महिला मंडल की सदस्याओं ने सामूहिक रूप से संगीतमय भक्ति एवं नृत्य के साथ भगवान की आरती उतारी। भक्ति गीतों से मंदिर परिसर गूंज उठा और श्रद्धालु धार्मिक उल्लास में सराबोर नजर आए।

विधान के मार्गदर्शक प्रमोद कुमार जैन ने धर्म सभा को संबोधित करते हुए कहा कि उत्तम आर्जव धर्म हमें जीवन में सरलता और निष्कपटता का मार्ग दिखाता है। मनुष्य के मन में जो भाव हों, वही उसके वचन और कर्म में भी दिखाई दें, यही सच्चा आर्जव है। उन्होंने कहा कि मन में कुछ और रखना और बाहर कुछ और प्रदर्शित करना माया और कपट का स्वरूप है। हमें छल-कपट, दिखावे और मायाचारी का त्याग कर अपने जीवन को सरल और सहज बनाना चाहिए।

नवोदित खिलाड़ियों को खेल किट और स्पोर्ट्स शूज देकर प्रोत्साहित कर रहे हैं हॉकी प्रशिक्षक अविनाश भटनागर

खेल एवं युवा कल्याण विभाग ग्वालियर के स्थानीय दर्पण हॉकी फीडर सेंटर जो कि मध्य प्रदेश का सर्वश्रेष्ठ हॉकी फीडर सेंटर है, आज हॉकी स्टेडियम पर दो नई खिलाड़ी कुमारी राधिका पाल और खुशी पाल का आगमन हुआ दोनों ही खिलाड़ियों पर स्पोर्ट्स शूज नहीं थे, दर्पण हॉकी फीडर सेंटर के मुख्य प्रशिक्षक अविनाश भटनागर ने तत्काल दोनों बच्चियों को बाजार से स्पोर्ट्स शूज लाकर भेंट किये, वही कुमारी दर्शिता कपूर को अविनाश भटनागर द्वारा खेलकिट प्रदान की गई! खेल एवं युवा कल्याण विभाग मध्य प्रदेश द्वारा भी फीडर सेंटर में चयनित 20 बालक एवं 20 बालिका खिलाड़ियों को निशुल्क खेल किट प्रदान की जाती है ! परंतु नवोदित खिलाड़ी जो खेल सामग्री खरीदने में असमर्थ है ऐसे खिलाड़ियों की मदद हॉकी प्रशिक्षक अविनाश भटनागर हमेशा करते रहे हैं उसी का परिणाम है कि ग्वालियर का दर्पण हाकी फीडर सेंटर मध्य प्रदेश में संचालित 35 हॉकी फीडर सेंटर में सर्वश्रेष्ठ हॉकी फीडर सेंटर है! खेल किट पाकर तीनों खिलाड़ी अत्यंत प्रसन्न और उनका मनोबल बढ़ा हुआ है !

भक्तों द्वारा गणेश विसर्जन डीजे की ध्वनि से निकाली यात्रा

जालौन, जीएनएस। कड़ी सुरक्षा के चलते शुक्रवार को लगभग 4ः30 बजे टरननगंज स्थित श्याम पैलेस गेस्ट हाउस में स्थापित गणेश भगवान की प्रतिमा विद्वान पंडित द्वारा वेद मंत्रों उच्चारण से पूजा अर्चना की तथा मौजूद भक्तों ने आरती गायन कर गणपति बप्पा मोरया उद्घोष के नारे लगाकर स्थल तथा नगर को चहुओर रोमांचित किया गणेश महोत्सव कार्यक्रम आयोजक संदीप गुप्ता सहायक आयोजक ज्ञानेंद्र मिश्रा शिवकुमार कनोडिया पालिका प्रधान लेखाकार हरिभूषण सिंह चौहान प्रेम कुमार गुप्ता संजय गुप्ता पारस पुरवार भोला पुरवार आदि साथियों ने 14 सितंबर से 18 सितंबर दिन शुक्रवार को बड़े धूमधाम से गणेश महोत्सव मनाया गया इसके उपरांत आयोजन सानिध्य मे भक्तगणों ने दो दर्जन बाहन रथ में भगवान गणेश प्रतिमा विराजमान एवं डीजे की ध्वनि से भक्तों की जनसैलाव की उपस्थिति में श्याम पैलेस गेस्ट हाउस महोत्सव उत्सव स्थल से विसर्जन यात्रा आलमपुर चौराहा से होती हुई विसर्जन यात्रा बाजार बताशा चौराहा से होती हुई टरननगंज चौराहा से राम जानकी मंदिर चौराहा से मुन्ना फुल पावर चौराहा हरीगंज चौराहा से राजघाट चौराहा से होती हुई विभिन्न सड़कों से यमुना तट समीप स्थापित सरोवर गड्डे में जय जय कारों से पूजा अर्चना के उपरांत विसर्जन किया गया विभिन्न सड़कों में निकलने वाली विसर्जन यात्रा में भक्त जनों ने फूलों की वर्षा कर स्वागत किया मौजूद लोगों ने सर झुका कर स्वयं तथा परिवार खुशी हेतु माथा टेककर आशीर्वाद प्राप्त किया विसर्जन यात्रा में चलने वाले कार्यक्रम सभी जिम्मेदार सदस्य एवं आयोजक सहायक आयोजक पंडित योगेंद्र नारायण शुक्ला दीपक धवन भाजपा नगर अध्यक्ष सुबोध द्विवेदी अवध तिवारी नीतू गुप्ता व्यापार मंडल अध्यक्ष नमन अग्रवाल उपाध्यक्ष अमित गुप्ता कोषाध्यक्ष श्रवण कुमार गुप्ता राजकुमार गुप्ता पतारा शरद शुक्ला ब्राह्मण समाज अध्यक्ष राजू पाठक सर्राफा मंडल अध्यक्ष अरविंद उर्फ कल्लू सोनी सभासद सुनील पटवा कन्हैया मिश्रा रामदत्त मोनस अरविंद शर्मा हर्षित खन्ना आदि

जन विश्वास अभियान अंतर्गत कलेक्टर ने किया ग्राम घमूरी और छैंकुरी का भ्रमण

भिण्ड, जीएनएस। जन विश्वास अभियान अंतर्गत कलेक्टर ने आज विकासखंड गोहद के ग्राम घमूरी और छैंकुरी का भ्रमण कर ग्रामवासियों से संवाद किया और उनकी समस्याएं जानीं।

कलेक्टर ने ग्राम पंचायत घमूरी में ग्रामवासियों से संवाद किया और उनकी खारे पानी, कच्चे रास्तों, बिजली केबल, इत्यादि की समस्याओं के निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने ग्रामवासियों की फार्मर आईडी/पीएम किसान सम्मान निधि का पंजीयन मौके पर कराया तथा फौती नामांतरण के एक आवेदन पर तत्काल पंचनामा बनवाया। उन्होंने ग्रामवासियों को सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत चल रहे स्वामित्व अभियान की जानकारी दी और सभी पट्टाधारकों से निशुल्क रजिस्ट्री कराने की अपील की। उन्होंने ग्राम सभाओं के निर्धारित तिथियों के अलावा भी नियमित अंतराल पर आयोजन किए जाने की समझाइश दी। ग्राम घमूरी के एकीकृत शासकीय हाईस्कूल का निरीक्षण किया और विद्यार्थियों व शिक्षकों की उपस्थिति तथा पाठयपुस्तकों के वितरण की स्थिति जानी।

कलेक्टर ने ग्राम छैंकुरी के शासकीय माध्यमिक विद्यालय का निरीक्षण किया। उन्होंने विद्यालय के लिए बाउंड्री वाल बनवाने के निर्देश दिए। उन्होंने दर्ज संख्या, पाठ्यपुस्तक वितरण, मध्याह्न भोजन, खेल मैदान, फर्नीचर उपलब्धता, इत्यादि की जानकारी प्राप्त की। विद्यार्थियों से पाठ पढ़वा कर और गणित का समीकरण हल करवा कर शैक्षणिक स्तर जाना।

धान, ज्वार एवं बाजरा उपार्जन हेतु किसानों के पंजीयन प्रारंभ

किसानों की सुविधा के लिए 24 पंजीयन केन्द्र बनाए गए

भिण्ड, जीएनएस। खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर धान, ज्वार एवं बाजरा उपार्जन हेतु किसानों के पंजीयन प्रकिया का निर्धारण किया गया है। जिसके तहत किसान पंजीयन गत 15 सितम्बर से 10 अक्टूबर 2026 तक करा सकते है। किसान पंजीयनों के पर्यवेक्षण एवं मॉनीटरिंग हेतु जिला स्तरीय जिला उपार्जन समिति, उपखण्ड स्तरीय उपार्जन समिति का गठन किया गया है साथ ही पंजीयन एवं उपार्जन कार्य में आने वाली तकनीकी समस्याओं के निराकरण हेतु तकनीकी समिति का गठन किया गया है। जिले में किसान पंजीयन हेतु अनुविभागवार 24 पंजीयन केन्द्र बनाए गये हैं।

धान, ज्वार एवं बाजरा उपार्जन हेतु अनुविभाग अटेर अंतर्गत सेवा सहकारी संस्था अटेर, सेवा सहकारी संस्था दुल्हागन, अनुविभाग भिण्ड अंतर्गत विपणन सेवा सहकारी संस्था भिण्ड, सेवा सहकारी संस्था दबोहा, सेवा सहकारी संस्था फूफ, सेवा सहकारी संस्था उमरी, अनुविभाग गोहद अंतर्गत विपणन सेवा सहकारी संस्था गोहद, सेवा सहकारी संस्था नौनेरा, सेवा सहकारी बरौना, प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्था एण्डौरी, सेवा सहकारी संस्था पिपहाडी, सेवा सहकारी संस्था शेरपुर, प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्था ऐनों, सेवा सहकारी संस्था पिपरसाना, प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्था मौ, सेवा सहकारी संस्था मघन, अनुविभाग मेहगाँव अंतर्गत सेवा सहकारी संस्था अकलौनी, सेवा सहकारी संस्था गोरमी, सेवा सहकारी संस्था गितौर, सेवा सहकारी संस्था सिमार, अनुविभाग लहार अंतर्गत सेवा सहकारी संस्था पढोरा, सेवा सहकारी संस्था काथा, विपणन सेवा सहकारी संस्था लहार एवं सेवा सहकारी संस्था नरौल में पंजीयन करा सकते है। इन पंजीयन केन्द्रों में निःशुल्क किसान पंजीयन की सुविधा रहेगी, इसके साथ ही साथ प्रति पंजीयन सशुल्क (प्रति पंजीयन अधिकतक रूपये 50/-) हेतु एम0पी0 ऑनलाईन, कॉमन सर्विस सेन्टर के क्योस्क, लोकसेवा केन्द्र, निजि व्यक्तियों द्वारा संचालित सॉयबर कैफे में भी आवश्यकतानुसार किसान पंजीयन केन्द्र बनाये जा रहे है। सिकमी /बटाईदार/कोटवार एवं वन पटटाधारी किसानों के पंजीयन की सुविधा केवल सहकारी समिति अंतर्गत संचालित पंजीयन केन्द्रों में रहेगी। किसान पंजीयन हेतु पंजीयन केन्द्रों में आधार लिंक बैंक खाते, समग्र आईडी भूमि से संबंधित दस्तावेज आदि रिकार्ड लेकर उपस्थित होना होगा। किसान का पंजीयन बॉयोमेट्रिक सत्यापन/आधार नम्बर से लिंक मोबाईल नंबर से ओ.टी.पी के माध्यम से किया जावेगा।

युवा संगम रोजगार मेला का आयोजन 23 को

भिण्ड, जीएनएस। मध्य प्रदेश शासन के निर्देशानुसार जिला प्रशासन भिण्ड एवं जिला रोजगार कार्यालय भिण्ड, आई.टी.आई. भिण्ड तथा जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र भिण्ड के द्वारा युवा संगम (रोजगार मेला, अप्रेंटिस मेला तथा स्वरोजगार) मेला का आयोजन दिनांक 23 सितम्बर 2026 को समय प्रातः 11 बजे से सायं 04 बजे तक स्थान शासकीय एम0जे0एस0 महाविद्यालय भिण्ड में किया जाएगा।

जिसमें ग्रेट आर्गेनिक डायमंड प्रा.लि. सागर द्वारा 18 से 30 आयु वर्ग के 10वीं/12वीं पास युवाओं के लिए एडवाईजर, आमधनी प्रा.लि. ग्वालियर एम.आर.एफ टायर द्वारा 18 से 25 आयु वर्ग के 10वीं एवं आईटीआई पास युवाओं के लिए मेनिफैक्चरिंग, हेलेन्ड ट्रेक्टर एवम यामाहा गुडगांव द्वारा 18 से 25 आयु वर्ग के 10वीं/12वीं/आईटीआई पास युवाओं के लिए हेल्पर, प्याइवुड मैन्युफेक्चरिंग कंपनी करनाल द्वारा 18 से 30 आयु वर्ग के 10वीं/12वीं/आईटीआई पास युवाओं के लिए ट्रेनी, पथवेस्टा केरियर स्किलस भिण्ड द्वारा 28 से 30 आयु वर्ग के स्नातक पास युवाओं के लिए बैंक रिलेटिव, टाटा मोटर्स पूना द्वारा 10वीं/12वीं/आईटीआई पास युवाओं के लिए ट्रेनीज, एक्सिस बैंक गुडगांव द्वारा 18 से 23 आयु वर्ग के स्नातक पास युवाओं के लिए असि. मैनेजर/सुपरवाईजर/क्लर्क, कोशल विकास केन्द्र ग्वालियर (ट्रेक्टर मेकेनिक) द्वारा 18 से 30 आयु वर्ग के 10वीं/12वीं पास युवाओं के लिए ट्रेनीज, चेकमेट सिक्योरिटी बडोदरा द्वारा 18 से 45 आयु वर्ग के 10वीं पास युवाओं के लिए सुरक्षा गार्ड, एल.आई.सी. भिण्ड द्वारा 18 से 35 आयु वर्ग के 12वीं पास युवाओं के लिए फील्ड ऑफिसर, जॉब फेयर नाओ काम भिण्ड द्वारा 21 से 29 आयु।

काथा-सिकरी रोड पर बाइक सवार बदमाशों ने की लूट

लहार। मिहोना थाना क्षेत्र अंतर्गत काथा- सिकरी मार्ग पर बेखौफ बाइक सवार बदमाशों ने दिनदहाड़े लूट की सनसनीखेज वारदात को अंजाम दिया। वारदात के बाद बदमाश मिहोना, लहार और रावतपुरा थाना क्षेत्रों से गुजरते हुए उत्तर प्रदेश की सीमा में प्रवेश कर गए। घटना की सूचना मिलते ही तीनों थानों की पुलिस सक्रिय हो गई और बदमाशों की घेराबंदी शुरू कर दी,बाइक पर सवार अज्ञात बदमाशों ने काथा-सिकरी मार्ग पर राहगीर को रोककर लूटपाट की और तेजी से फरार हो गए,सूचना मिलते ही मिहोना, लहार और रावतपुरा पुलिस ने संयुक्त रूप से मोर्चा संभाला और संभावित रास्तों पर सघन नाकाबंदी की,स्थानीय रास्तों का फायदा उठाकर लुटेरे पुलिस को चकमा देते हुए सीमावर्ती उत्तर प्रदेश के इलाके में घुसने में कामयाब रहे। ?सूत्रों के अनुसार, पुलिस को बदमाशों के संबंध में अहम सुराग हाथ लगे हैं। तकनीकी निगरानी और मुखबिर तंत्र की मदद से यूपी पुलिस से भी संपर्क साधा गया है। पुलिस अधिकारियों का दावा.. जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर वारदात का खुलासा किया जाएगा।

17 गंदे स्थानों को पहले किया साफ, अब सजाएंगे गमलों से

ग्वालियर, जीएनएस।
नगर निगम स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत शहर को सुंदर व स्वच्छ बनाने का कार्य कर रहा है। इसके लिए शहर में चिन्हित किए गए 17 सीटीयू स्वच्छता लक्षित इकाई का सौंदर्यीकरण किया जाएगा, इसके लिए प्रत्येक इकाई पर 10 गमले रखे जाएंगे, गमले में लगे पौधे हमेशा हरे-भरे रहें इसके लिए प्रतिदिन पौधों में पानी देने के लिए कर्मचारियों की तैनाती की जाएगी। यह निर्देश अपर आयुक्त श्री टी प्रतीक राव ने स्वच्छता ही सेवा अभियान की बैठक में अधिकारियों को दिए। बैठक में उपायुक्त श्री मुकेश बंसल, सहायक आईईसी अधिकारी सुश्री विजेता चौहान, एसबीएम कंसलेंट, ब्रांड एंबेसडर, आईईसी टीम के सदस्य मौजूद रहे।

संचालनालय नगरीय प्रशासन एवं विकास मध्यप्रदेश के निर्देश पर 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक स्वच्छता में सहभाग, स्वच्छ भारत, विकसित भारत थीम पर कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इसके तहत नगर निगम द्वारा स्वच्छता सेवा अभियान के तहत एक माह तक विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करेगी। इसके लिए सबसे पहले शहर में सालों से बने ब्लैक स्पॉट कचरा ठीयों को नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग ने खत्म किया है। इसके बाद फिर से लोग वहां पर कचरा नहीं डाल सकें, इसके लिए प्रतिदिन वहां की निगरानी की जाएगी, इसका जिम्मा आईईसी टीम को दिया गया है। ब्लैक स्पॉट वाले स्थानों पर नगर निगम द्वारा पेंटिंग आदि सहित सौंदर्यीकरण के अन्य कार्य भी किए जाएंगे।

जीवाजी विवि परिसर में डंपिंग ग्राउंड खत्म करने लिखेंगे पत्र जीवाजी विश्वविद्यालय परिसर के पिछले हिस्से में दीवार टूट गई है, यहां पर लोगों ने अपना कचरा डंप करना शुरू कर दिया है। नगर निगम ने यहां से कचरे को साफ कर दिया है। अपर आयुक्त श्री टी प्रतीक राव ने जीवाजी विवि प्रशासन को दीवार का निर्माण करने के लिए पत्र लिखने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं जिससे वहां पर फिर से गंदगी ना हो।

यह होंगे कार्यक्रम
स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत जागरूकता रैली, जागरूकता अभियान, तालाबों की सफाई अभियान, ईको नवरात्रि पंडाल, पॉलीथिन विरोधी अभियान, स्कूल के बच्चों के साथ लेकर पॉलीथिन पर कार्रवाई के लिए अभियान चलाया जाएगा। बच्चों एवं स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों के लिए स्वास्थ्य परीक्षण, पर्यटन स्थलों की सफाई अभियान, पौधरोपण, शासकीय कार्यालयों में सफाई अभियान, स्वच्छता की पाठशाला आदि कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

मुख्य मार्गों से हटाया अस्थाई अतिक्रमण

ग्वालियर, जीएनएस।
नगर निगम के मदाखलत अमले द्वारा सुगम यातायात के लिए शहर के विभिन्न स्थानों से अस्थाई अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई।

नोडल अधिकारी मदाखलत श्री केशव सिंह चौहान ने जानकारी देते हुए बताया कि नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी के निर्देशानुसार मदाखलत अधिकारी श्री शैलेंद्र सिंह चौहान के निर्देशन में पूर्व विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत चेतकपुरी स्वामी विवेकानंद चौराहे के पास लगे हाथ ठेले वालों व फुटपाथियों के हाथ ठेला बांस जप्त कर हटवाया तथा जप्त सामान को मदाखलत कार्यालय पर जमा किया। इसके पश्चात पिंटू पार्क सब्जी मंडी के बाहर यातायात में बाधक रोड़ पर लगे हाथ ठेले वालों को हटवाया। साथ ही पिंटू पार्क पर लगी मीट की दुकानों और पटरी रोड़ पर लगे हाथ ठेले वालों को गंदगी फैलाने वालों पर चालान की कार्यवाही की । इसके पश्चात महल गांव करौली माता मंदिर के पीछे पंथ नगर में क्षेत्राधिकारी तनुजा वर्मा के साथ लगी तार फेंसिंग को हटवाया गया। उक्त कार्रवाई में मदाखलत निरीक्षक श्री सुघर सिंह सिसोदिया व दल पूर्व उपस्थित रहा।इसके साथ ही मदाखलत अधिकारी श्री सतेंद्र सिंह भदौरिया के निर्देशन में महाराज बाड़ा अंतर्गत सुभाष मार्केट, नजरबाग मार्केट, टोपी बाजार, एसबीआई बैंक, हेमू चौक, छापाखाना, स्काउट, गाँधी मार्केट के मुख्य मार्गों से हाथ ठेले, फुटपातियों के फड़ को हटवाया जाकर मुख्य मार्ग क्लियर करवाया गया। उक्त कार्रवाई के दौरान मदाखलत निरीक्षक श्री आजाद खान सहित दल दक्षिण मौके पर उपस्थित रहा।साथ ही ग्वालियर विधानसभा अंतर्गत गोपाल चल पर्वत के पास होटल क्लार्क इन के पीछे अस्थाई अतिक्रमण सहित यातायात में बाधक हाथ ठेले एवं मेवा वालों को हटवाकर आवागमन सुचारू रूप से चालू करवाया गया। उक्त कार्रवाई में निरीक्षक श्रीकांत सेन सहित दल ग्वालियर उपस्थित रहा।

9 स्थानों पर सफाई कर बनाई गई रंगोली

ग्वालियर, जीएनएस।
नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी के निर्देशों के बाद शहर को पूरी तरह से स्वच्छ, सुंदर और कचरा ठिया मुक्त बनाने के लिए व्यापक स्तर पर विशेष सफाई अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत निगम प्रशासन द्वारा उन स्थानों को विशेष रूप से चिन्हित किया जा रहा है, जहां सालों से खुले में कचरा फेंका जा रहा था और जो आम नागरिकों के लिए गंदगी व दुर्गंध का कारण बने हुए थे।

अभियान के अंतर्गत शुक्रवार को स्वास्थ्य विभाग ने शहर के 9 प्रमुख स्थानों पर वर्षों से बने कचरा ठियों को पूरी तरह समाप्त कर दिया गया। केवल कचरा हटाने तक ही यह कार्रवाई सीमित नहीं रही, बल्कि उन स्थानों पर आकर्षक रंगोली बनाई गई, ताकि लोग पुनः वहां गंदगी न फैलाएं। जिसमें घोसीपुरा आंगनबाड़ी के पास, लोहा मंडी पोस्ट ऑफिस के पास, थाटीपुर मोहन नगर, जीवाजी यूनिवर्सिटी के पीछे मुख्य मार्ग, गाटर वाली पुलिया प्लॉट, तितरिया कॉलोनी, भगो वाली गली दौलतगंज, गड्डे वाला मोहल्ला, ऋतुराज होटल के सामने स्थित कचरा ठियों को साफ कर रंगोल बनाई गई। अब तक 59 से अधिक पुराने कचरा डिपो किए गए समाप्त

मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. वैभव श्रीवास्तव ने अभियान की जानकारी देते हुए बताया कि नगर निगम की विशेष टीमें शहर के विभिन्न वार्डों और मुख्य मार्गों पर मुस्तैदी से काम कर रही हैं। उन्होंने बताया कि इस मुहिम के तहत अब तक शहर के करीब 59 दशकों (सालों) से चले आ रहे गंदगी के 59 से अधिक स्थायी कचरा ठियों को पूरी तरह खत्म कर दिया गया है। जिन जगहों पर लोग रुकना भी पसंद नहीं करते थे, वहां अब स्वच्छता नजर आ रही है।

नागरिकों को समझाइश और निगम का सहयोग करने की अपील
सफाई कार्रवाई के साथ-साथ निगम कर्मचारियों द्वारा स्थानीय नागरिकों, दुकानदारों और क्षेत्रवासियों से स्थापित कर जागरूक करते हुए समझाइश दी कि खुले स्थानों, खाली भूखंडों या सड़कों के किनारे कचरा बिल्कुल न फेंकें। घरों और प्रतिष्ठानों से निकलने वाले गीले व सूखे कचरे को अलग-अलग करके केवल निगम के कचरा संग्रहण (डोर-टू-डोर) वाहनों में ही डालें। यदि कोई व्यक्ति सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाता या कचरा डालता पाया जाता है, तो नागरिक जिम्मेदारी निभाते हुए उसे टोकें और निगम प्रशासन का सहयोग करें।

शिवपुरी की अनिता गोस्वामी ने आश्रम -4 में अभिनय किया

डॉ. भूपेन्द्र विकल
शिवपुरी के एक दर्जन से अधिक कलाकारों ने फ़िल्म जगत में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर शिवपुरी का नाम गोरान्वित किया है। इन दिनों जयपुर में प्रसिद्ध वेब सीरीज आश्रम-4 की शूटिंग प्रख्यात फिल्म निर्देशक प्रकाश झा द्वारा की जा रही है, आश्रम -4के विशाल सेट पर प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता बाबी देयोल मुख्य भूमिका में अभिनय कर रहे हैं, आश्रम की शूटिंग में शिवपुरी की कलाकार अनिता गोस्वामी ने मुख्य सेवादार की भूमिका में अभिनय किया है, इनकी शूटिंग 16दिन लगातार हुई है, आगे भी इन्हें शूटिंग करेंगी. अनीता गोस्वामी शिवपुरी की लुधावली में निवास करती है. सोशल मीडिया के इंस्टाग्राम, फेसबुक पर डांस और अभिनय करके हजारों व्यूवर्स, फालोवर इनके है, इनकी प्रतिभा को देख कर ही इन्हें

फिल्म बरवर द बदरपुर, वेब सीरीज कलाकंद, मैं रामबाबू गड़रिया, टी.वी.सीरियल सीसीआई, ,शाट फिल्म रिश्ते ,यह ठीक नहीं, नशा जीवन का अंत, गुस्ताखियां एक गलती, सहित एक दर्जन से अधिक में शाट फिल्मों में एवं अनेक एल्बमों में भी अभिनय किया है. वेब सीरीज कैलाश पति की लीला में भी अभिनय कर रही है। अनीता गोस्वामी ने शिवपुरी का नाम अपनी प्रतिभा से गौरावित किया है।

वृद्धजनों को सहायक उपकरण देने दो दिवसीय परीक्षण शिविर 28 से

ग्वालियर, जीएनएस।
वृद्धजनों को सहायक उपकरण वितरण हेतु परीक्षण शिविर का आयोजन 28 एवं 29 सितम्बर 2026 को दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक अटल बिहारी वाजपेयी दिव्यांग प्रशिक्षण केंद्र में प्रधानमंत्री दिव्यांषा केंद्र जलालपुर रोड ग्वालियर में आयोजित किया जा रहा है।

उपायुक्त ने जानकारी देते हुए बताया कि वयोश्री योजना अंतर्गत सहायक उपकरण वितरण हेतु वृद्धजनों का परीक्षण शिविर का आयोजन 28 सितंबर एवं 29 सितम्बर 2026 को दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक अटल बिहारी वाजपेयी दिव्यांग प्रशिक्षण केंद्र में प्रधानमंत्री दिव्याषा केन्द्र जलालपुर रोड ग्वालियर में आयोजित किया जा रहा है। चिन्हांकित हितग्राहियों को 01 अक्टूबर 2026 को वृद्धजन दिवस के अवसर पर सहायक उपकरण का वितरण किया जाएगा। नगर निगम सीमांतर्गत जरूरत मंद वृद्धजन जिनकी आयु 60 वर्ष या उससे अधिक हो वह वृद्धजन परीक्षण शिविर में अवश्य पहुंचे। वृद्धजन को परीक्षण शिविर में आने पर अपने साथ आधार कार्ड, पेंशन स्वीकृत आदेश की छायाप्रति अथवा राशन पात्रता पर्ची की छायाप्रति अथवा आय-प्रमाण पत्र की छायाप्रति अथवा बीपीएल कार्ड की छायाप्रति अपने साथ अवश्य लेकर आयें।

सेकेण्डरी वाहनों की जीओ मैपिंग कराएं: अपर आयुक्त श्री टी प्रतीक राव

ग्वालियर, जीएनएस।
शहर की स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए अपर आयुक्त श्री टी प्रतीक राव ने स्वास्थ्य विभाग की बैठक ली। बैठक में अपर आयुक्त ने निर्देश दिए हैं कि कचरा कलेक्शन करने वाले सभी सेकेण्डरी वाहनों की दो दिन में जियो मैपिंग कराएं। बैठक में सहायक नोडल अधिकारी श्री शैलेंद्र सक्सेना, सहायक यंत्री श्री अजय शाक्यवार, सहित स्वास्थ्य विभाग के संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

अपर आयुक्त श्री टी प्रतीक राव ने संबंधित अधिकारी को निर्देश दिए हैं कि सुबह सभी टिपर वाहन चालको को कॉल कर कन्फर्म करें कि वाहन डिपो से निकले हैं अथवा नहीं। इसके साथ ही दिन में भी कॉल कर उनकी लोकेशन का पता किया जाए। जिससे पता चल सके कि वाहन की वर्तमान स्थिति क्या है, इसके लिए कर्मचारियों को ड्यूटी लगाई जाए। साथ ही टिपर एवं सेकेण्डरी वाहनों की टाइमिंग सेट की जाए कि कौन सा वाहन कहां से निकलेगा और कितने बजे तक डिपो में आएगा। अपर आयुक्त श्री टी प्रतीक राव ने निर्देश दिए हैं कि रात्रिकालीन सफाई व्यवस्था को और अधिक बेहतर बनाने के लिए हर विधानसभा में बाजार की जरूरत के हिसाब से वाहनों की संख्या निर्धारित की जाए। वाहनों के लिए ड्राइवरों की व्यवस्था की जाए। जिससे ड्राइवर के कार्य पर नहीं आने पर भी वाहन बाजार में पहुंच सकें।

गंदगी फैलाने वालों से वसूला जुर्माना

ग्वालियर, जीएनएस।
शहर स्वच्छ व साफ रहे इसलिए गंदगी फैलाने वालों, अमानक पॉलीथिन, गोबर नालियों में बहाने वालों एवं भवन सामग्री सडक पर डालने वालों पर निगम द्वारा निरंतर कार्रवाई की जा रही है।

मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. वैभव श्रीवास्तव ने जानकारी देते हुए बताया कि निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी एवं अपर आयुक्त श्री टी. प्रतीक राव के निर्देशानुसार गंदगी फैलाने वालों के खिलाफ जुर्माने की कार्यवाही निरंतर की जा रही है। जिसके तहत आज स्वास्थ्य अधिकारी श्री भीष्म पमनानी के निर्देशन में क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक 8 में सार्वजनिक स्थल पर गंदगी फैलाने, प्रतिबंधित पॉलीथिन का उपयोग, विक्रय करने तथा गोबर निष्कासन के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई करते हुए व्यक्तियों एवं व्यापारियों से 10,850 का जुर्माना वसूला गया। इसके साथ ही स्वास्थ्य अधिकारी किशोर चौहान के निर्देशन में जोन 20 वार्ड क्रमांक 53 में मुख मार्ग पर कचरा फेंकने पर संबंधित व्यक्ति को रोका टोका एवं 500 का जुर्माना भी किया गया एवं इस प्रकार की गलती पुनः ना हो इसकी समझाइश दी गई। कार्रवाई के दौरान सहायक स्वास्थ्य अधिकारी श्री रामचंद्र धौलपुरिया, श्री मनोज खरे, श्री अजय पवार आदि उपस्थित रहे। साथ ही स्वास्थ्य अधिकारी श्री अजय सिंह ठाकुर के निर्देशन में जोन 04 अंतर्गत वार्ड 11,14 में जुर्माना कार्रवाई की गई। जिसके अंतर्गत वार्ड क्रमांक 11 में गंदगी फैलाने एवं गोबर नाली में बहाने वालों से 2500 का जुर्माना एवं वार्ड क्रमांक 14 में 4100 रूपये का जुर्माना किया गया।

मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के तहत कलेक्टर ने किया शासकीय हाईस्कूल खेरिया का निरीक्षण

पोरसा, जीएनएस। मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के तहत कलेक्टर श्री लोकेश कुमार जांगिड़ ने ग्राम पंचायत नंदपुरा, जनपद पंचायत पोरसा के अंतर्गत शासकीय हाईस्कूल खेरिया का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने विद्यालय की शैक्षणिक एवं बुनियादी व्यवस्थाओं का जायजा लेने के साथ ही विद्यार्थियों के बीच पहुंचकर उनसे आत्मीय एवं संवादात्मक चर्चा की। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री जांगिड़ ने विद्यार्थियों से उनकी पढ़ाई और रुचि के विषयों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने सामाजिक विज्ञान सहित विभिन्न विषयों से संबंधित प्रश्न विद्यार्थियों से पूछे और उनके उत्तर सुने। कलेक्टर द्वारा सहज वातावरण में विद्यार्थियों से किए गए संवाद से बच्चे भी उत्साहित नजर आए और उन्होंने उत्साहपूर्वक प्रश्नों के उत्तर दिए।

कलेक्टर ने विद्यार्थियों को नियमित अध्ययन करने, विषयों को समझकर पढ़ने तथा अपने लक्ष्य के प्रति निरंतर प्रयास करने के लिए प्रेरित किया। कलेक्टर ने कहा कि विद्यार्थियों में जिज्ञासा और सीखने की ललक को बढ़ावा देना आवश्यक है। उन्होंने शिक्षकों से भी कहा कि विद्यार्थियों को केवल पाठ्यक्रम तक सीमित न रखते हुए सामान्य ज्ञान एवं समसामयिक विषयों की जानकारी से भी जोड़ा जाए, ताकि उनमें विषयों को समझने और अपने विचार व्यक्त करने की क्षमता विकसित हो। कलेक्टर ने विद्यालय की कक्षाओं, परिसर, पेयजल, स्वच्छता सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया। उन्होंने विद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली तथा आवश्यक व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत श्री कमलेश कुमार भार्गव उपस्थित रहे।

बड़वा मंगल पर दंदरौआ जाने वाले भक्तों की लिए अन्नक्षेत्र लगाने में लगे युवा वर्ग

पोरसा, जीएनएस। ख्याति प्राप्त डॉक्टर हनुमान दंदरौआ सरकार के दर्शन को जाने वाले पैदल यात्री 21 तारीख से होंगे रवाना पैदल यात्री भक्तों के सेवा के लिए अन्न क्षेत्र लगाने में जुटे हुए हैं युवा वर्ग के लोग पोरसा तहसील की सीमा में एक सैकड़ा से अधिक अन्न क्षेत्र लगाए जाएंगे अभी से तैयारियां जारी,,,,भादो माह के अंतिम मंगलवार को मनाए जाने वाले प्रसिद्ध बड़वा मंगल पर्व को लेकर क्षेत्र में तैयारियां शुरू हो गई हैं। आगामी 22 सितंबर को बड़वा मंगल मनाया जाएगा। पर्व को लेकर पोरसा सहित आसपास के क्षेत्रों के हनुमान मंदिरों में विशेष सजावट और श्रृंगार का कार्य अभी से शुरू कर दिया गया है। मंदिरों को आकर्षक रूप से सजाने के साथ-साथ भक्तों के स्वागत की तैयारियां भी की जा रही हैं।

बड़वा मंगल के अवसर पर क्षेत्र के विभिन्न हनुमान मंदिरों में भगवान हनुमान की प्रतिमाओं का विशेष श्रृंगार किया जाएगा। मंदिरों में चोला चढ़ाया जाएगा तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर दर्शन-पूजन कर अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए अर्जी और मन्नत लगाएंगे।

धार्मिक मान्यता के अनुसार, भादो माह के अंतिम मंगलवार को बड़वा मंगल के रूप में मनाया जाता है। मान्यता है कि भगवान श्रीराम जब लंका से लौट रहे थे, तब उन्होंने हनुमान जी से वरदान मांगने को कहा। हनुमान जी ने किसी सांसारिक वस्तु की इच्छा न रखते हुए भगवान श्रीराम से केवल उनकी भक्ति का वरदान मांगा। इसी आस्था और परंपरा के चलते भादो माह के अंतिम मंगलवार को बड़वा मंगल के रूप में मनाए जाने की परंपरा चली आ रही है।

बड़वा मंगल के अवसर पर दंदरौआ धाम के डॉक्टर हनुमान जी के दर्शन के लिए अम्बाह, पोरसा, मुरैना सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पैदल यात्रा करते हैं। पिछले वर्ष एक लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने पैदल यात्रा कर दंदरौआ धाम पहुंचकर हनुमान जी के दर्शन किए थे। इस वर्ष श्रद्धालुओं की संख्या और बढ़ने की संभावना जताई जा रही है।

राजस्व अमले की लापरवाही से किसान की जमीन पर संकट

ऑनलाइन खसरे में इंद्राज के बदले रिश्वत मांगने का आरोप

डबरा, जीएनएस। तहसील क्षेत्र के ग्राम कल्याणी में राजस्व विभाग की कथित मनमानी, तकनीकी खामियों और भ्रष्टाचार के चलते एक गरीब किसान अपनी ही खरीदी हुई जमीन के अधिकार के लिए दर-दर भटकने को मजबूर है। 20 वर्ष पूर्व खरीदी गई कृषि भूमि का इंद्राज ऑनलाइन खसरे में कराने के लिए किसान से पटवारी द्वारा रिश्वत मांगने का सनसनीखेज आरोप सामने आया है। वहीं दूसरी ओर, किसान का रिकॉर्ड ऑनलाइन न चढ़ने का फायदा उठाकर विक्रेता पक्ष द्वारा उसी भूमि को दोबारा अन्य व्यक्ति को विक्रय कर उसका नामांतरण कराने का गंभीर खेल भी उजागर हुआ है।

?2006 में खरीदी थी जमीन, रिकॉर्ड में दर्ज था नाम

?प्राप्त दस्तावेजों के अनुसार, ग्राम कल्याणी निवासी महेश कुमार गोस्वामी पुत्र रामसेवक गोस्वामी ने 2006 में ग्राम कल्याणी स्थित भूमि सर्वे क्रमांक 320/1/5/1 (रकबा 0.4180 हेक्टेयर / 0.480 हेक्टेयर) विक्रेता रामसहाय पुत्र रामनाथ कुशवाहा से पंजीकृत विक्रय पत्र के माध्यम से विधिवत क्रय की थी। राजस्व रिकॉर्ड में वर्ष 2009-10 व हस्तलिखित खसरा वर्ष 2011 तक उक्त भूमि पर क्रेता महेश कुमार का नाम दर्ज रहा।

?कंप्यूटरीकृत खसरा व री-नंबरिंग की प्रक्रिया के दौरान उक्त रकबा ऑनलाइन दर्ज होने से छूट गया। इसे दुरुस्त कराने के लिए पीड़ित किसान ने एसडीएम न्यायालय डबरा में प्रकरण क्रमांक 0478/2024-25/अ-6(अ) के तहत खसरा इंद्राज दुरुस्ती का आवेदन लगाया। किसान का कहना है कि यह प्रकरण पिछले दो वर्षों से लंबित पड़ा है, जिसके चलते न तो उसका किसान क्रेडिट कार्ड (चष्ट्ट) बन पा रहा है और न ही उसे शासन की योजनाओं के तहत खाद-बीज मिल पा रहा है।

डबरा रेलवे स्टेशन पर गूंजा स्वच्छता का संदेश, स्टेशन प्रबंधक पुष्पेंद्र यादव के मार्गदर्शन में चला अभियान

डबरा, जीएनएस। झांसी मंडल रेल प्रबंधक श्री अनिरुद्ध कुमार के निर्देशन में 'स्वच्छता ही सेवा 2026' अभियान के तहत शुक्रवार को डबरा रेलवे स्टेशन पर स्वच्छता एवं जन-जागरूकता अभियान चलाया गया। स्टेशन प्रबंधक श्री पुष्पेंद्र यादव के मार्गदर्शन में रेलकर्मियों एवं सफाई मित्रों ने अभियान में सहभागिता की। अभियान के दौरान स्टेशन पर आने-जाने वाले यात्रियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। यात्रियों से अपील की गई कि वे कचरा इधर-उधर न फेंकें और निर्धारित डस्टबिन का ही उपयोग करें। साथ ही स्टेशन परिसर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने में रेलवे प्रशासन का सहयोग करने का संदेश दिया गया। स्टेशन प्रबंधक पुष्पेंद्र यादव ने स्वच्छता के महत्व पर जोर देते हुए यात्रियों से अपील की कि स्वच्छ रेलवे स्टेशन केवल रेलवे की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक यात्री की भी सामूहिक जिम्मेदारी है। अभियान के माध्यम से यात्रियों को स्वच्छता के साथ-साथ स्वच्छ यात्रा का संदेश भी दिया गया।

'मेरे सपनों का भारत' — बच्चों के सपनों में सजेगा हमारा उज्ज्वल भारत

शासकीय बालक प्राथमिक विद्यालय, ग्राम मई में विकसित भारत के अंतर्गत आयोजित ÷मेरे सपनों का भारत एवं चित्रकला कार्यक्रम÷ में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होने का अवसर प्राप्त हुआ।

इस अवसर पर विद्यालय के प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं द्वारा मेरे सपनों का भारत विषय पर विभिन्न सुंदर एवं रचनात्मक चित्र बनाए गए। बच्चों से संवाद कर उन्हें चित्रकला के माध्यम से अपने विचार, सपने और भारत के

उज्ज्वल भविष्य को अभिव्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित एवं मार्गदर्शन दिया। कार्यक्रम के दौरान उत्कृष्ट चित्रकला प्रस्तुत करने वाले छात्र-छात्राओं को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। इस अवसर पर मेरे साथ श्री शिवदयाल गौड़ जी, श्री बंटी रावत जी एवं श्री पंजाब जाटव जी भी उपस्थित रहे।

बच्चों की रचनात्मकता, उत्साह और देश के प्रति उनके सपनों को देखकर मन अत्यंत प्रसन्न हुआ। आज के यही नन्हे सपने, कल के विकसित और सशक्त भारत की नींव बनेंगे।

पोरसा मुक्तिधाम में बेजुबान पक्षियों के लिए बन रहे घोंसले, समाजसेवी डॉ. अनिल गुप्ता की अनूठी पहल

पोरसा, जीएनएस। आमतौर पर हर व्यक्ति अपने और अपने परिवार तथा रिश्तेदारों की सुख-सुविधाओं और जरूरतों के बारे में सोचता है, लेकिन बेजुबान पक्षियों के लिए व्यवस्था करने की चिंता कम ही लोग करते हैं। इसी सोच को बदलने और पक्षियों के संरक्षण के लिए पोरसा के समाजसेवी एवं मुक्तिधाम के रचनाकार डॉ. अनिल गुप्ता द्वारा अनूठी पहल की जा रही है।

मुक्तिधाम परिसर में सर्दी के मौसम को देखते हुए पक्षियों के लिए विशेष रूप से घोंसले तैयार किए जा रहे हैं। डॉ. गुप्ता का उद्देश्य है कि ठंड, आंधी और बारिश के दौरान पक्षियों को सुरक्षित आश्रय मिल सके। इन घोंसलों का निर्माण प्राकृतिक मिट्टी के कलशों से किया जा रहा है, ताकि पक्षियों को उनके प्राकृतिक वातावरण के अनुरूप सुरक्षित स्थान उपलब्ध हो सके।

बताया गया है कि घोंसलों का निर्माण कार्य आगामी 8 से 10 दिनों में पूरा होने की उम्मीद है। पिछले वर्ष भी मुक्तिधाम परिसर में पक्षियों के लिए घोंसले बनाए गए थे, जो वर्तमान में सुरक्षित स्थिति में मौजूद हैं। इस वर्ष इनकी संख्या पहले की अपेक्षा दोगुनी से अधिक किए जाने की योजना है।

मुक्तिधाम परिसर में पक्षियों के लिए दाना-पानी सहित अन्य व्यवस्थाएं भी की जाती हैं। इसी कारण बड़ी संख्या में पक्षियों ने परिसर को अपना बसेरा बना लिया है। पक्षियों के लिए सुरक्षित आवास उपलब्ध कराने की यह पहल उनके संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण सामाजिक प्रयास के रूप में सामने आ रही है।

डॉ. गुप्ता बताते हैं कि आंधी और बारिश के कारण कई बार पक्षियों के घोंसले क्षतिग्रस्त हो जाते हैं और उनके अंडे टूट जाते हैं। ऐसे दृश्य देखकर उनके मन में पक्षियों के लिए स्थायी और सुरक्षित आश्रय बनाने का विचार आया। इसी सोच के तहत मिट्टी के कलशों को घोंसले के रूप में तैयार कर उन्हें मुक्तिधाम परिसर में लगाया जा रहा है।

डॉ. गुप्ता का कहना है कि ÷अपने लिए तो सभी जीते हैं, लेकिन बेजुबान जीवों के लिए कुछ करना ही सच्ची मानवता है।÷ उनका प्रयास है कि मुक्तिधाम परिसर में पक्षियों को पूरे वर्ष दाना, पानी और सुरक्षित आवास मिलता रहे। पक्षियों के लिए की जा रही इस पहल को लेकर स्थानीय लोगों से भी सहयोग और मार्गदर्शन की अपील की गई है, ताकि इस अभियान को और व्यापक बनाया जा सके,। अपने और अपने परिवार के सदस्यों के लिए तथा अपने रिश्तेदारों के लिए हर आदमी सोचता है,,, मगर बेजुबान पक्षियों के लिए कौन सोचे ?, यह एक करिश्मा है कि मुक्ति धाम के रचनाकार समाज सेवी डॉक्टर अनिल गुप्ता ने पक्षियों के लिए पहले भी घर बनाए थे अब सर्दी आने वाली है इसलिए मुक्तिधाम में पक्षी अपर संख्या में विराजमान रहते है उनके लिए घोंसली बनाए जा रहे हैं। कलयुग चल रहा है कलयुग में लोग आपने और अपने परिवार के लिए तथा अपने रिश्तेदारों के बारे में ही सोचते हैं और उनकी हर तरह की व्यवस्था करते हैं ,,,,मगर बेजुबान पक्षियों की व्यवस्था कौन करें इस बात को ध्यान में रखकर इस कलयुग में सतयुग लाने प्रयास कर रहे हैं समाज सेवी मुक्तिधाम की रचनाकार डॉक्टर अनिल गुप्ता जिन्होंने मुक्तिधाम में अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त मुक्ति धाम में पक्षियों के लिए सर्दी को ध्यान में रखकर घोसला बनाना शुरू कर दिए हैं।

सफलता की कहानीः हुनर को मिला कारोबार का रूप, आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहीं नंदपुरा की समूह दीदियां

मुरैना, जीएनएस। स्व-सहायता समूहों से जुड़ी ग्रामीण महिलाएं अब बचत और समूह की गतिविधियों से आगे बढ़कर अपने हुनर को रोजगार और उद्यम का रूप दे रही हैं। मेहनत, आत्मविश्वास और सही मार्गदर्शन के साथ वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने की दिशा में निरंतर कदम बढ़ा रही हैं। मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के तहत शुक्रवार को पोरसा विकासखण्ड के ग्राम नंदपुरा में आयोजित उद्यम पंजीयन शिविर में महिला उद्यमिता की इसी बदलती तस्वीर की झलक देखने को मिली।

शिविर में कलेक्टर श्री लोकेश कुमार जांगिड़ स्वयं उद्यम पंजीयन काउंटर पर पहुंचे और समूह की दीदियों से आत्मीयता के साथ संवाद किया। उन्होंने महिलाओं से उनके द्वारा किए जा रहे कार्यों, उद्यम पंजीयन की प्रक्रिया तथा उन्हें मिल रही सुविधाओं के संबंध में जानकारी ली। कलेक्टर ने यह भी जाना कि पंजीयन के दौरान महिलाओं को किसी प्रकार की कठिनाई तो नहीं आ रही है। कलेक्टर के इस सहज संवाद पर समूह की दीदी ने बताया कि उद्यम पंजीयन की प्रक्रिया सरल रही और शिविर में आज 15 उद्यम पंजीयन किए गए हैं। महिलाओं ने बताया कि उद्यम को पंजीकृत कराने से उन्हें अपने काम को आगे बढ़ाने और उसे एक व्यवस्थित पहचान देने का अवसर मिल रहा है।

नंदपुरा में हुए 15 उद्यम पंजीयन केवल एक संख्या नहीं हैं, बल्कि अपने हुनर पर भरोसा कर आगे बढ़ रही उन महिलाओं के प्रयासों की पहचान हैं, जो अपने लिए रोजगार के अवसर तैयार करने के साथ अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। उद्यम पंजीयन के माध्यम से उनके छोटे प्रयासों को औपचारिक पहचान मिल रही है और आगे बढ़ने के लिए नई संभावनाओं के द्वार खुल रहे हैं। शिविर में मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत श्री कमलेश कुमार भार्गव की विशेष उपस्थिति रही। अधिकारियों ने समूह की महिलाओं को उद्यम पंजीयन के महत्व एवं उससे मिलने वाले लाभों की जानकारी दी। साथ ही महिलाओं को अपने व्यवसाय को विस्तार देने तथा उपलब्ध शासकीय योजनाओं एवं सुविधाओं का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया। उद्यम पंजीयन के माध्यम से समूह की दीदियों को अपने व्यवसाय को औपचारिक पहचान देने के साथ विभिन्न शासकीय योजनाओं एवं सुविधाओं से जुड़ने का अवसर मिल रहा है। प्रशासन की पहल और महिलाओं की मेहनत के इस मेल से ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों को नई गति मिल रही है। नंदपुरा की समूह दीदियों का बढ़ता आत्मविश्वास इस बदलाव की तस्वीर प्रस्तुत करता है। जब महिलाओं को अवसर, मार्गदर्शन और आवश्यक सुविधाएं मिलती हैं, तो उनके हुनर को केवल घरेलू काम तक सीमित रहने के बजाय रोजगार और उद्यम का स्वरूप मिलता है। यही छोटे-छोटे कदम आगे चलकर परिवारों की आर्थिक मजबूती और ग्रामीण महिलाओं की आत्मनिर्भरता का आधार बनते हैं।

आर.आर. महाविद्यालय जौरा में एचआईवी/एड्स जागरूकता कार्यशाला आयोजित

मुरैना, जीएनएस। मध्यप्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण समिति, भोपाल के आह्वान एवं सीएसओ क्षेत्रीय कार्यालय ग्वालियर के मार्गदर्शन में आईसीटीसी सिविल हॉस्पिटल जौरा द्वारा आर.आर. महाविद्यालय जौरा में सघन जागरूकता अभियान के अंतर्गत एक दिवसीय महाविद्यालय स्तरीय एचआईवी/एड्स जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में विद्यार्थियों को एचआईवी संक्रमण के कारणों, बचाव के उपायों, नशे से जुड़े जोखिमों तथा उपचार संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। साथ ही विद्यार्थियों को क्यूआर कोड स्कैन कर स्वयं के एचआईवी जोखिम का आकलन (सेल्फ रिस्क एसेसमेंट) करने के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यशाला में आईसीटीसी सिविल हॉस्पिटल जौरा के काउंसलर श्री संदीप सेंगर एवं एसटीएलएस श्री रणवीर गोयल उपस्थित रहे। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य श्री चंद्र किशोर शर्मा, संचालक श्री मयंक त्यागी, सहायक प्राध्यापकगण एवं लगभग 90 विद्यार्थी उपस्थित रहे।

काउंसलर श्री संदीप सेंगर ने विद्यार्थियों को एचआईवी एवं एड्स के बीच अंतर स्पष्ट करते हुए एचआईवी संक्रमण के प्रमुख कारणों और इससे बचाव के उपायों की जानकारी दी। उन्होंने युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति से जुड़े स्वास्थ्य जोखिमों पर चर्चा करते हुए संक्रमित सुई के इस्तेमाल से एचआईवी संक्रमण की संभावना के प्रति विद्यार्थियों को जागरूक किया। उन्होंने टैटू बनवाते समय स्वच्छ एवं सुरक्षित उपकरणों के उपयोग की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला और असुरक्षित सुई के इस्तेमाल से होने वाले संक्रमण के जोखिम के बारे में बताया।

कार्यशाला में महाविद्यालय के नोडल प्रभारी श्री रवि त्यागी एवं एसटीएलएस श्री रणवीर गोयल की देखरेख में प्रश्नोत्तरी सत्र आयोजित किया गया। इसमें विद्यार्थियों ने एचआईवी, एड्स, सिफलिस, टीबी, हेपेटाइटिस-बी एवं एआरटी उपचार से संबंधित विभिन्न प्रश्न पूछे। विशेषज्ञों द्वारा विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए संबंधित भ्रांतियों को दूर किया गया।

मध्यप्रदेश में बनेगी 'सेवा के रंग–राष्ट्र के संग' की विराट तस्वीर

भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर, झाबुआ और आलीराजपुर में हजारों नागरिक बनाएंगे ह्यूमन रंगोली

भोपाल, जीएनएस। सेवा, सहभागिता और राष्ट्र निर्माण के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश में सेवा संकल्प अभियान के अवसर पर 9 और 10 अक्टूबर को विशेष आयोजन किया जाएगा। 'सेवा के रंग–राष्ट्र के संग' थीम पर प्रदेश के छह जिलों में बड़े मैदानों पर विशाल ह्यूमन रंगोली बनाई जाएगी। इस अनूठे आयोजन में बड़ी संख्या में नागरिकों की सहभागिता होगी और मानव रंगोली के माध्यम से सेवा, राष्ट्रभावना, स्थानीय संस्कृति तथा विकसित भारत के संकल्प को साकार किया जाएगा।

भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर, झाबुआ और आलीराजपुर में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में जनभागीदारी को प्रमुख आधार बनाया गया है। हजारों नागरिक एक निर्धारित स्वरूप में एक साथ खड़े होकर ऐसी जीवंत मानव रंगोली का निर्माण करेंगे, जिसे ऊपर से देखने पर एक विशाल चित्र और संदेश के रूप में देखा जा सकेगा। आयोजन के दौरान ड्रोन कैमरों के माध्यम से इस पूरे दृश्य को रिकॉर्ड किया जाएगा।

'सेवा के रंग–राष्ट्र के संग' कार्यक्रम का उद्देश्य सेवा को केवल एक गतिविधि के रूप में नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी और राष्ट्र निर्माण की भावना से जोड़ना है। आयोजन में स्थानीय कला और लोक-संस्कृति को भी स्थान दिया जाएगा। इसके साथ विकसित भारत के संकल्प और देश की प्रगति का संदेश भी मानव रंगोली के माध्यम से प्रस्तुत किया जाएगा। आयोजन में मध्यप्रदेश की स्थानीय कला एवं लोक-संस्कृति को आधुनिक तकनीक के साथ जोड़ने की योजना है। विशाल मानव रंगोली के निर्माण के दौरान ड्रोन शूटिंग के जरिए ऊपर से पूरे आयोजन की तस्वीर सामने आएगी। इससे अलग-अलग जिलों में होने वाली जनभागीदारी का व्यापक दृश्य तैयार होगा और सेवा संकल्प का संदेश व्यापक स्तर तक पहुंचाया जा सकेगा।

राजा शंकर शाह-रघुनाथ शाह ने सनातन संस्कृति और राष्ट्र की रक्षा के लिए अपने प्राणों का उत्सर्ग किया

भोपाल, जीएनएस। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि 1857 के स्वतंत्रता आंदोलन से पहले अपनी कलम और कविताओं के बल पर मध्यप्रदेश के जनजातीय महानायक अमर शहीद राजा शंकर शाह और कुंवर रघुनाथ शाह ने ब्रिटिश सत्ता के खिलाफ अलख जगाई थी। अंग्रेजों के दमन के विरोध में उस समय में जो काम तलवार नहीं कर पाई, वह राजा शंकर शाह की लेखनी ने कर दिखाया। उनके लिखे गीतों ने जनता के बीच आजादी की ललक और अलख जगा कर नयी ऊर्जा का संचार किया। वे देश और धर्म को साथ लेकर चले। स्वभाषा-स्वधर्म-रचनात्मकता और साहित्य की साधना के प्रति राजा शंकर शाह के समर्पण के कारण स्थानीय जन में उनके प्रति बहुत अधिक श्रद्धा थी। उनके बेटे कुंवर रघुनाथ शाह भी कंधे से कंधा मिलाकर साथ खड़े रहे। देखते ही देखते अंग्रेजी सरकार की जड़ें हिल गईं। ब्रिटिश सैनिकों ने दोनों को बंदी बना लिया और उनके सामने महारानी की अधीनता स्वीकार करने और धर्म बदलने की शर्त रखी। राजा शंकर शाह ने अंग्रेजों को मुंहतोड़ जवाब देकर पराधीनता स्वीकार करने से इनकार कर दिया। उन्होंने अंग्रेज अफसरों को बता दिया कि वे रानी दुर्गावती के वंशज हैं, भारतीय संस्कृति के जीवन मूल्यों और सनातन पर हमें गर्व है। राजा शंकर शाह की हिम्मत के आगे अंग्रेज अफसर डर गए, उन्हें तोप से बांध कर क्रूरतापूर्वक शहीद कर दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव जबलपुर में जनजातीय महानायक राजा शंकर शाह और रघुनाथ शाह के बलिदान दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर कैंसर एवं नशा मुक्ति के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से नमो प्रेरणा अभियान का शुभारंभ किया। जागरूकता के लिये स्कूल एवं कॉलेजों में विद्यार्थियों को कैंसर से बचाव एवं जागरूकता के प्रति प्रेरित किया जाएगा। कैंसर मरीजों को समुचित उपचार उपलब्ध कराने की दिशा में यह अभियान एक महत्वपूर्ण पहल है।

'मेरा थैला- मेरी शान' अभियान का शुभारंभ

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गीता भवन में नगर निगम की पहल पर सिंगल यूज़ प्लास्टिक के उपयोग को हतोत्साहित करने तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से 'मेरा थैला, मेरी शान' अभियान का शुभारंभ किया। अभियान के माध्यम से नागरिकों को सिंगल यूज़ प्लास्टिक के स्थान पर कपड़े एवं अन्य पर्यावरण-अनुकूल थैलों के उपयोग के लिए प्रेरित किया जाएगा।

सफलता की कहानी : देश सेवा से उद्यम सेवा तक – प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना ने बनाया सफल उद्यमी

भिण्ड, जीएनएस। भिण्ड शहर के चतुर्वेदी नगर निवासी श्री संतोष सिंह प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना पीएमएफएमई अंतर्गत प्राप्त सहायता के माध्यम से सफल उद्यमी बने हैं। भारतीय सेना में हवलदार के पद पर 17 वर्षों तक सेवा देने वाले श्री सिंह ने देश-सेवा के बाद जिले में उद्यम-सेवा के जज्बे के साथ खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में कदम रखा। वैष्णवी आयल मिल के माध्यम से ओडीओपी उत्पाद - सरसो का प्रसंस्करण कर वे न केवल 10 लाख की वार्षिक आय प्राप्त कर रहे हैं बल्कि पांच अन्य स्थानीय व्यक्तियों को रोजगार भी दे रहे है।

शुरुआती दिनों में वैष्णवी आयल मिल की सीमित संसाधनों के कारण उत्पादन क्षमता कम थी और उत्पाद को बड़ा बाजार नहीं मिल पा रहा था। पीएमएफएमई योजना अंतर्गत आवेदन करने पर योजना के तहत उन्हें सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया से 13.50 लाख रुपए का ऋण और 5.25 लाख रुपये का अनुदान प्राप्त हुआ। इस

सहायता से उन्होंने मिल के उन्नयन हेतु आधुनिक एक्सपेलर, फिल्टर और मोटर मशीनें लगाई जिससे उत्पादन क्षमता में बढ़ोतरी हुई। आज वे ग्रामीण क्षेत्रों से किसानों से सीधे सरसों खरीद कर शुद्ध सरसों का तेल निकालते हैं और उसे खुला एवं टीन के डिब्बों में पैक कर स्थानीय बाजार में बेचते हैं।

श्री सिंह का कहना है कि पीएमएफएमई योजना अत्यंत लाभकारी है जिसके अंतर्गत सहायता प्राप्त कर युवा अपना उद्यम स्थापित कर आत्मनिर्भर बन सकते हैं। श्री सिंह अपने खाद्य प्रसंस्करण उद्यम के सफल संचालन के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को धन्यवाद देते हैं। आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत संचालित इस योजना के अंतर्गत खाद्य प्रसंस्करण इकाई की स्थापना पर अधिकतम 10 लाख रुपए की सीमा तक 35 प्रतिशत अनुदान और 3 प्रतिशत ब्याज माफी का प्रावधान है। जिले के युवा, कृषक, और छोटे व्यवसायी व्यक्तिगत स्तर पर, तथा किसान उत्पाद संगठन, स्वसहायता समूह और उत्पादक सहकारी समिति उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग से संपर्क कर नए औद्योगिक इकाइयों की स्थापना अथवा मौजूदा इकाइयों के उन्नयन के लिए योजना अंतर्गत वित्तीय और तकनीकी सहायता प्राप्त कर सकते हैं।

नुक्कड़ नाटक, भाषण व नारा लेखन से दिया नशे से दूर रहने का संदेश, प्रतिभागियों को पुरस्कार व प्रमाण पत्र वितरित

ज्ञानोदय विद्यालय में नशा मुक्ति अभियान, युवाओं ने ली शपथ

ग्वालियर जीएनएस

'नशा मुक्त भारत फॉर विकसित भारत' राष्ट्रीय संकल्प अभियान के तहत माय भारत केंद्र, ग्वालियर की ओर से ज्ञानोदय आवासीय विद्यालय में जागरूकता कार्यक्रम एवं संगोष्ठी आयोजित की गई। इस दौरान युवाओं को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने के लिए नारा लेखन, भाषण प्रतियोगिता, हस्ताक्षर अभियान और नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष प्रेम सिंह राजपूत ने कहा कि नशा समाज और राष्ट्र की प्रगति में बड़ी बाधा है। विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए युवाओं का मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ होना आवश्यक है। उन्होंने युवाओं से स्वयं नशे से दूर रहने के साथ ही समाज को भी नशामुक्त बनाने में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

अध्यक्षता कर रहीं माय भारत केंद्र, ग्वालियर की जिला युवा अधिकारी अंजली कुमारी ने कहा कि युवा देश की वास्तविक शक्ति हैं। माय भारत मंच के माध्यम से युवाओं को राष्ट्र निर्माण की सकारात्मक गतिविधियों से जोड़ा जा रहा है। नशा मुक्ति इसी दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। वहीं, विशिष्ट अतिथि एवं ज्ञानोदय विद्यालय की प्राचार्य नमिता मेहरोत्रा (मल्होत्रा) ने विद्यार्थियों से शिक्षा के साथ नैतिक मूल्यों और अच्छे स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने का आह्वान किया। कार्यक्रम में विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को अतिथियों ने पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। सफल युवा मंडल के अध्यक्ष अरविंद कुशवाहा ने कार्यक्रम का संचालन किया। समापन अवसर पर उन्होंने अतिथियों, विद्यालय स्टाफ और विद्यार्थियों को नशामुक्ति की शपथ दिलाई। साथ ही परिसर में हस्ताक्षर अभियान चलाकर सभी से नशामुक्त भारत के संकल्प पत्र पर हस्ताक्षर कराए गए। इस अवसर पर लेखा अधिकारी दिलीप सुमन, नरेश प्रजापति, चमन कुशवाह, सुशील त्रिपाठी, राहुल चतुर्वेदी, पूर्व सरपंच देव सिंह कुशवाह सहित विद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

अधोसंरचना व मानव संसाधन विकास के साथ रोजगार के अवसर बढ़े

12 साल में देश की दिशा और दशा में बड़ा बदलाव आया : सिंधिया

ग्वालियर जीएनएस

केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों में देश की दिशा और दशा में बड़ा बदलाव आया है। आर्थिक तरक्की और सुनियोजित विकास में तेजी के साथ विश्व पटल पर भारत का प्रभाव बढ़ा है। विकास के साथ देश की विरासत को सहेजने का काम भी किया जा रहा है।

सिंधिया रविवार को सेवा-संकल्प अभियान के तहत राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय के दत्तोपंत ठेंगड़ी सभागार में आयोजित विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में जिले के प्रभारी मंत्री तुलसीराम सिलावट और सामाजिक न्याय एवं उद्यानिकी मंत्री नारायण सिंह कुशवाह भी मौजूद रहे।

सिंधिया ने कहा कि अधोसंरचना और मानव संसाधन क्षमता में तेजी से वृद्धि के साथ रोजगार के अवसर भी बढ़े हैं। प्रधानमंत्री ने वैश्विक अवसरों को भारत में लाने का काम किया है।

उन्होंने कहा कि भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बन गया है और निर्यात में भी वृद्धि हुई है। रक्षा क्षेत्र का निर्यात करीब 40 हजार करोड़ रुपए से बढ़कर डेढ़ लाख करोड़ रुपए से अधिक हो गया है। रफेल जैसे लड़ाकू विमानों के कल-पुर्जे भी अब भारत में बनाए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि किसान हितैषी योजनाओं के चलते भारत अनाज उत्पादन में विश्व के तीन अग्रणी देशों में शामिल हुआ है। किसान सम्मान निधि जैसी योजनाओं से किसानों को लाभ मिल रहा है। अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में भी देश में तेजी से बदलाव आया है। भारत विश्व में आध्यात्मिक शक्ति के रूप में भी उभर रहा है और प्रधानमंत्री की पहल पर विश्वभर में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है।

ग्वालियर में 5500 करोड़ का दूरसंचार विनिर्माण क्षेत्र : सिंधिया ने कहा कि ग्वालियर में केंद्र और राज्य सरकार द्वारा स्वीकृत बड़े विकास कार्यों को गति मिल रही है। जल्द ही करीब 5500 करोड़ रुपए की लागत से दूरसंचार विनिर्माण क्षेत्र स्थापित किया जाएगा। इससे करीब 18 हजार लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिलने की बात उन्होंने कही। कार्यक्रम में जीडीए अध्यक्ष मधुसूदन सिंह भदौरिया, साडा अध्यक्ष अशोक शर्मा, विधायक मोहन सिंह राठौर, नगर निगम सभापति मनोज तोमर, भाजपा जिलाध्यक्ष जयप्रकाश राजौरिया सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

अग्रवाल युवक-युवती परिचय सम्मेलन में 195 युवाओं ने दिया परिचय

जीवनसाथी अपनी कमाई पर खड़ा हो, माता-पिता की आय पर निर्भर नहीं

ग्वालियर जीएनएस

अग्रवाल परिचय सम्मेलन की ओर से 141वां विशाल युवक-युवती परिचय सम्मेलन दिल्ली के अग्रसेन भवन, विवेक विहार में आयोजित किया गया। सम्मेलन में करीब 650 परिवार एक ही स्थान पर एकत्रित हुए। कार्यक्रम में 150 युवकों और 45 युवतियों ने मंच पर आकर अपने जीवनसाथी के लिए परिचय दिया और विवाह को लेकर अपनी प्राथमिकताएं साझा कीं।

कार्यक्रम का शुभारंभ दिल्ली विधायक संजय गोयल एवं दिल्ली विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष रामनिवास गोयल ने किया। अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश ऐरन ने की। परिचय के दौरान युवकों ने कहा कि उनकी जीवनसाथी नौकरी या व्यवसाय करना चाहती है तो वे उसका समर्थन करेंगे, लेकिन परिवार की जिम्मेदारियों का भी ध्यान रखना जरूरी होगा। वहीं एक युवती ने कहा कि उसका जीवनसाथी अपनी आय पर खड़ा हो, माता-पिता की आय पर निर्भर न रहे।

विधायक संजय गोयल ने कहा कि आज छोटी-छोटी बातों और आपसी मनमुटाव के कारण रिश्ते टूट रहे हैं। पति-पत्नी दोनों को सहनशीलता और आपसी समझ के साथ रिश्ते को बचाने का प्रयास करना चाहिए। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष रामनिवास गोयल ने कहा कि वैश्य समाज को संगठित होकर अपनी सामाजिक शक्ति को मजबूत करना चाहिए। ऐसे सम्मेलन समाज को एकजुट करने के साथ विवाह योग्य युवक-युवतियों के परिवारों को आपस में परिचित कराने का माध्यम बनते हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश ऐरन ने कहा कि रिश्तों को मजबूत बनाए रखने के लिए बच्चों को घर में पारिवारिक संस्कार देना जरूरी है। आपसी सम्मान, सहयोग, संवाद और बड़ों का आदर जैसे संस्कार परिवार से ही मिलते हैं।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि जयगोपाल गुप्ता, मुकेश सिंघल, अजय गुप्ता, शिवकुमार गुप्ता, अशोक कुमार गर्ग, अनिल कंसल, राजेश गुप्ता सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। मंच पर युवक-युवतियों का परिचय राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष नीलम शाह, राष्ट्रीय महामंत्री बबीता अग्रवाल और दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष ममता अग्रवाल ने कराया। आयोजकों ने बताया कि सम्मेलन का उद्देश्य विवाह योग्य युवक-युवतियों और उनके परिवारों को एक मंच उपलब्ध कराना है।

सैकड़ों श्रद्धालुओं ने सामूहिक अर्घ्य चढ़ाकर विश्व शांति और सर्वकल्याण की कामना की

गोपाचल में गूंजा उत्तम सत्य धर्म का जयघोष

ग्वालियर जीएनएस

जैन समाज द्वारा भाद्रपद मास में मनाए जा रहे दस लक्षण महापर्व के पांचवें दिन रविवार को गोपाचल सिद्ध क्षेत्र पर उत्तम सत्य धर्म का सामूहिक पूजन भक्तिभाव के साथ किया गया। संगीतमय पूजन के दौरान सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भगवान के चरणों में सामूहिक अर्घ्य समर्पित कर विश्व शांति एवं सर्वकल्याण की कामना की।

गोपाचल सिद्ध क्षेत्र की हजारों वर्ष प्राचीन प्रतिमाएं श्रद्धालुओं के लिए विशेष आस्था का केंद्र हैं। यहां विराजित 42 फीट ऊंची पद्मासन भगवान पारसनाथ की प्रतिमा विशेष आकर्षण का केंद्र है। प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु भगवान पारसनाथ के दर्शन और पूजन के लिए यहां पहुंचते हैं।

समाज के प्रवक्ता ललित जैन ने बताया कि पांचवें दिन आयोजित सामूहिक पूजन में समाजजनों ने उत्तम सत्य धर्म का भावपूर्वक स्मरण किया। धार्मिक वातावरण में श्रद्धालु भक्ति में सराबोर नजर आए। पूजन के दौरान सत्य को जीवन में अपनाने, असत्य का त्याग करने और आचरण को पवित्र बनाने का संदेश दिया गया।

सत्य केवल वाणी नहीं, आचरण में भी दिखना चाहिए

धर्मसभा को संबोधित करते हुए पंडित पवन कुमार जैन ने कहा कि उत्तम सत्य धर्म हमें जीवन में सदैव सत्य का आश्रय लेने की प्रेरणा देता है। सत्य केवल वाणी का विषय नहीं, बल्कि हमारे विचार, व्यवहार और कर्मों में भी दिखाई देना चाहिए। जहां सत्य होता है, वहां विश्वास, शांति और आत्मविश्वास का जन्म होता है। उन्होंने कहा कि असत्य बोलकर व्यक्ति दूसरों को नहीं, बल्कि सबसे पहले स्वयं को धोखा देता है।

उन्होंने बताया कि जैन दर्शन में सत्य का अर्थ हितकारी, संयमित और उचित वचन बोलना है। क्रोध, लोभ, भय और स्वार्थ के कारण व्यक्ति को सत्य से विचलित नहीं होना चाहिए। सामूहिक पूजन में मुकेश जैन, अनिल शाह, अनुपम चौधरी, अजीत जैन गोपाचल, आशीष जैन बैंक, निर्मल जैन मारसंस, राजेंद्र जैन एडवोकेट, भगवानदास जैन, जयदीप जैन, अमित भंडारी, अरुण जैन, डीके जैन, रंजना जैन, अभिषेक जैन, निरपेक्ष जैन, मनीष जैन, रितिक जैन, मोनिका जैन, प्रियंका जैन, डॉली जैन, मनोरमा जैन, माला जैन, महिमा चौधरी, श्वेता जैन सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

स्वामी, प्रकाशक , मुद्रक रामकिशन तायल 'फौजी' ने श्रमसाधना प्रिन्टर्स, भगवती निवास पारखजी का बाड़ा दौलतगंज, ग्वालियर से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक : महेश तायल समाचार चयन हेतु पीआरबी एक्ट के तहत अधिकृत
e.mail- Shramsadhnagwl@gmail.com ph. 0751-2625029, 98270 17078, 9425007142 समाचार पत्र में प्रकाशित सभी आलेखों में लेखकों के अपने विचार हैं। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र ग्वालियर होगा।